दीप कमल

जून 2023

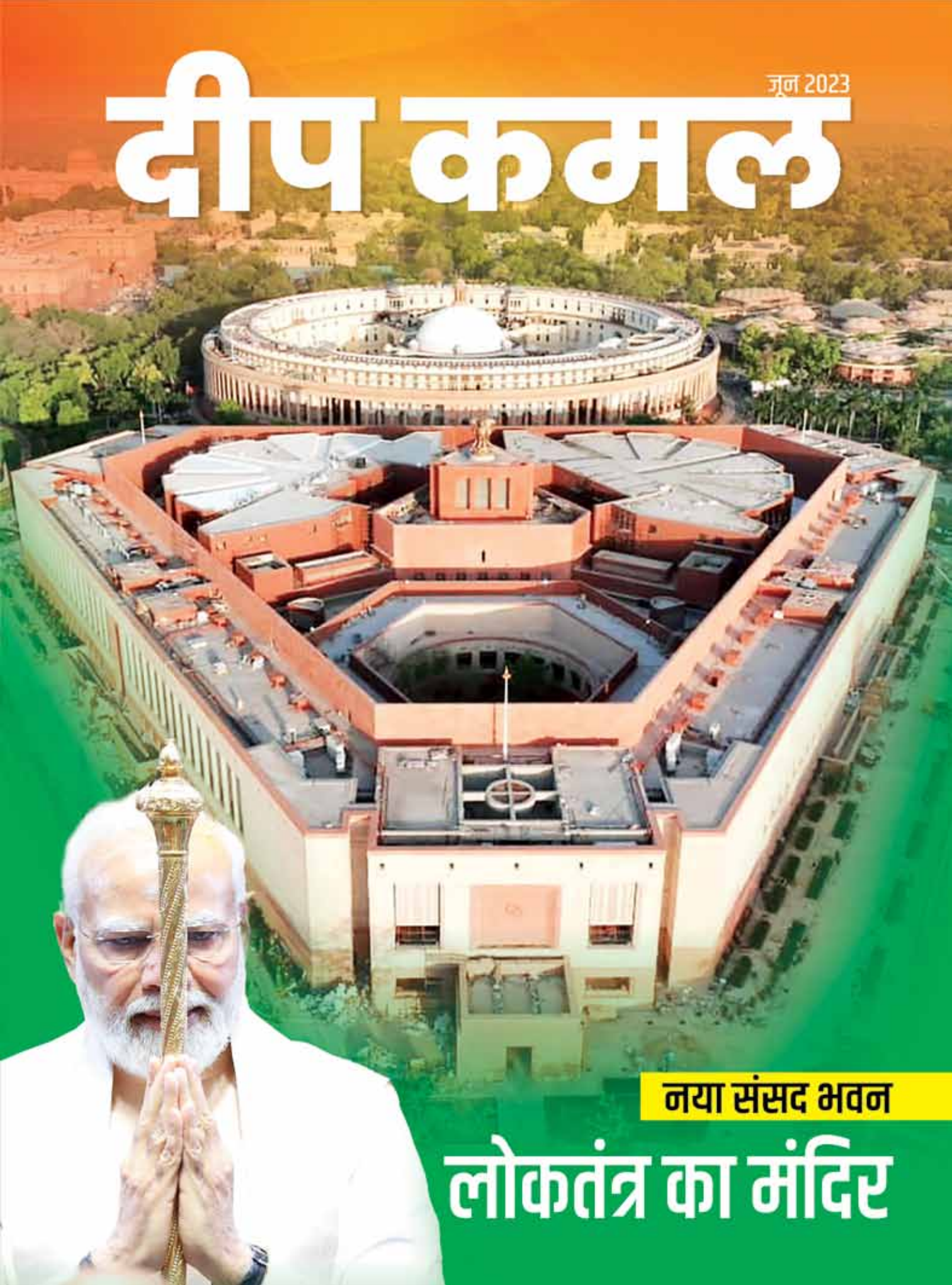

नया संसद भवन

लोकतंत्र का मंदिर

नव संसद भवन लोकार्पण के अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री अरुण साव, सुश्री सरोज पांडेय, श्रीमती गोमती साय और श्री मोहन मंडावी समेत प्रदेश के सभी सांसद शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस हटाओ - 'छत्तीसगढ़ बचाओ संकल्प' पारित किया गया।

दीप कमल

वर्ष-19, अंक-5/6, मई-जून 2023 (संयुक्तांक)

संपादक
सुभाष राव

कार्यकारी संपादक
पंकज कुमार झा

मुद्रक एवं प्रकाशक अरुण साव द्वारा, भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ के लिए, मूणत ऑफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित एवं कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, बोरियाकला, रायपुर से प्रकाशित।

स्वत्वाधिकारी
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

ई-मेल
jay7feb@gmail.com

फोन
0771-2233500, 2233511

सोशल मीडिया से

Narendra Modi @narendramodi

हर देश की विकास यात्रा में कुछ तारीखें इतिहास का अमिट हस्ताक्षर बन जाती हैं। अमृतकाल में 28 मई, 2023 का आज का यह दिन ऐसा ही एक शुभ अवसर है, जब भारत के लोगों ने अपने लोकतंत्र को संसद के नए भवन का उपहार दिया है।

Translate Tweet

Jagat Prakash Nadda @JPNadda

महान स्वतंत्रता सेनानी, स्वाधीन भारत के वैचारिक अधिष्ठाता व राष्ट्रवाद के अमर नायक 'स्वातन्त्र्यवीर' विनायक दामोदर सावरकर जी की जयंती पर उन्हें कोटि नमन करता हूँ।

'वीर सावरकर' जी का त्याग व बलिदान युगों-युगों तक प्रत्येक देशवासी में राष्ट्र के लिए सर्वस्व अर्पित करने की प्रेरणा बना रहेगा।

7:09 AM · 28 May 23 · **27.5K** Views

Dr Raman Singh · Follow
2d

आत्मनिर्भर भारत में निर्मित पहले संसद भवन के लोकार्पण के साथ ही नव भारत नये युग की बुनियाद रख रहा है।... See more

Arun Sao @ArunSao3

छत्तीसगढ़ (सक्ति) के तीर्थ यात्रियों के साथ हुई हिंसा बेहद निंदनीय है।

मैं ओडिशा प्रशासन से इस मामले में तत्काल संज्ञान लेने की अपील करता हूं।

पड़ोसी राज्यों के यात्रियों के सुरक्षा की जिम्मेदारी दोनों राज्य की है।तीर्थयात्री अभी दहशत में हैं स्थानीय पुलिस सहयोग नहीं कर रही।

Translate Tweet

Ajay Jamwal
2d

सनातन विरोधी पिता-पुत्र की जोड़ी!

एक प्रभु श्री राम जी का विरोधी दुसरा हनुमान जी का विरोधी।

#भूपेश_का_पिता_रामद्रोही

Bhupesh Baghel

Nitin Nabin
2d

सावरकर माने तेज
सावरकर माने त्याग
सावरकर माने तप
सावरकर माने तत्व
सावरकर माने तर्क
सावरकर माने तलवार
सावरकर माने तिलमिलाहट

माँ भारती के वीर सपूत, प्रखर राष्ट्रवादी स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।

नया संसद भवन भारतवासियों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब

नरेन्द्र मोदी

प्रत्येक राष्ट्र के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो अमर होते हैं। कुछ तिथियां समय के चेहरे पर अमर हस्ताक्षर बन जाती हैं। 28 मई, 2023 एक ऐसा ही दिन है। भारत के लोगों ने अमृत महोत्सव के लिए खुद को यह उपहार दिया है। यह केवल एक भवन नहीं है बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब है। ये विश्व को भारत के दृढ संकल्प का संदेश देता हमारे लोकतंत्र का मंदिर है। यह नया संसद भवन योजना को वास्तविकता से, नीति को कार्यान्वयन से, इच्छाशक्ति को निष्पादन से और संकल्प को सिद्धि से जोड़ता है। यह स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने का माध्यम बनेगा। यह आत्मनिर्भर भारत के सूर्योदय का साक्षी बनेगा और एक विकसित भारत का निर्माण होता देखेगा। यह नया भवन प्राचीन और आधुनिक के सह-अस्तित्व का उदाहरण है।

नए मॉडल केवल नए मार्गों पर चलकर ही स्थापित किए जा सकते हैं। नया भारत नए लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है और नए पथ प्रशस्त कर रहा है। एक नई ऊर्जा, नया जोश, नया उत्साह, नई सोच और एक नई यात्रा है। नई दृष्टि, नई दिशाएं, नए संकल्प और एक नया विश्वास है। विश्व भारत के संकल्प, उसके नागरिकों के उत्साह और भारत में मानव शक्ति के जीवन को सम्मान और आशा की दृष्टि से देख रहा है। जब भारत आगे बढ़ता है, तो विश्व आगे बढ़ता है। संसद का नया भवन भारत के विकास से विश्व के विकास का भी आह्वान करेगा।

महान चोल साम्राज्य में सेंगोल को सेवा कर्तव्य और राष्ट्र के पथ के प्रतीक के रूप में देखा जाता था। राजाजी और अधीनम के मार्गदर्शन में यह सेंगोल सत्ता के हस्तांतरण का पवित्र प्रतीक बन गया। यह हमारा सौभाग्य है कि हम पवित्र सेंगोल की गरिमा को बहाल कर सके। जब भी इस संसद भवन में कार्यवाही शुरू होगी, सेंगोल हम सभी को प्रेरणा देता रहेगा।

भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र ही नहीं बल्कि लोकतंत्र की जननी भी है। राष्ट्र वैश्विक लोकतंत्र के लिए प्रमुख आधार है। लोकतंत्र केवल एक प्रणाली नहीं है जो भारत में प्रचलित है बल्कि यह एक संस्कृति, विचार और परंपरा है। हमारे वेद हमें लोकतांत्रिक सभाओं और समितियों के सिद्धांतों का पाठ पढ़ाते हैं। महाभारत में भी गणतंत्र का वर्णन है और वैशाली में गणतंत्र को जीया है और उसकी अनुभूति की है। भगवान बसवेश्वर का अनुभव मंटप्पा हम सभी के लिए गर्व की बात है। तमिलनाडु में पाए गए 900 ईस्वी के शिलालेख आज के दिन और युग में भी सभी को आश्चर्यचकित करता है। हमारा लोकतंत्र ही हमारी प्रेरणा है, हमारा संविधान ही हमारा संकल्प है। इस प्रेरणा, इस संकल्प की सबसे श्रेष्ठ प्रतिनिधि, हमारी ये संसद ही है। भाग्य उन लोगों के लिए समाप्त हो जाता है जो आगे बढ़ना बंद कर देते हैं, लेकिन जो आगे बढ़ते रहते हैं उनका भाग्य निरंतर ऊंची उड़ान भरता रहता है।

वर्षों की गुलामी और बहुत कुछ खोने के बाद भारत ने फिर से अपनी नई यात्रा शुरू की और अमृत काल में पहुंच गया। अमृत काल हमारी धरोहर को संरक्षित करते हुए विकास के नए आयामों को गढ़ने का काल है। यह अमृत काल देश को नई दिशा देने वाला है। यह असंख्य आकांक्षाओं को पूरा करने वाला अमृत काल है।

सदियों की गुलामी ने हमारा गौरव छीन लिया था लेकिन 21वीं सदी का भारत आत्मविश्वास से भरा है। आज का भारत गुलामी की मानसिकता को पीछे छोड़कर कला के उस प्राचीन वैभव को अपना रहा है। नया संसद भवन इस प्रयास का जीता-जागता उदाहरण है। इस भवन में विरासत के साथ-साथ वास्तु, कला, कौशल, संस्कृति और संविधान के नोट्स भी हैं। लोकसभा की आंतरिक सज्जा की थीम राष्ट्रीय पक्षी मोर और राज्यसभा की थीम राष्ट्रीय फूल कमल पर आधारित है। संसद परिसर में राष्ट्रीय वृक्ष बरगद है। नए भवन में देश के विभिन्न हिस्सों की विशिष्टताओं को शामिल किया गया है। राजस्थान से ग्रेनाइट, महाराष्ट्र से लकड़ी और भदोई कारीगरों द्वारा कालीन का यहां उपयोग किया गया है। हम इस इमारत के कण-कण में एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना का अवलोकन करते हैं।

एक नई संसद की आवश्यकता पर दशकों से चर्चा की जा रही थी और यह समय की मांग थी कि एक नई संसद का विकास किया जाए। यह प्रसन्नता की बात है कि नया संसद भवन नवीनतम तकनीक से सुसज्जित है और सभा कक्ष भी सूरज की रोशनी से भरे पूरे हैं। संसद के निर्माण के दौरान 60,000 श्रमिकों को रोजगार दिया गया था और उनके योगदान को रेखांकित करते हुए सदन में एक नई दीर्घा बनाई गई है। यह पहली बार है कि नई संसद में श्रमिकों के योगदान को अमर कर दिया गया है।

भारत का पिछला 9 वर्ष पुनर्निर्माण और गरीब कल्याण के वर्षों के रूप में स्मरण किया जाएगा। प्रत्येक देश के इतिहास में एक समय आता है जब उस देश की चेतना जागृत होती है। स्वतंत्रता से 25 वर्ष पूर्व गांधी जी के असहयोग आंदोलन के दौरान भारत में ऐसा समय आया था जिसने पूरे देश को एक विश्वास से भर दिया था। गांधी जी ने स्वराज के संकल्प से हर भारतीय को जोड़ा था। यह वह समय था जब हर भारतीय स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा था। इसका परिणाम 1947 में भारत की स्वतंत्रता थी। आज़ादी का अमृत काल स्वतंत्र भारत में एक चरण है जिसकी तुलना ऐतिहासिक अवधि से की जा सकती है। भारत अगले 25 वर्षों में अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, इन 25 वर्षों में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक के योगदान की आवश्यकता है।

इतिहास गवाह है कि भारतीयों का विश्वास केवल राष्ट्र तक ही सीमित नहीं है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम ने उस समय विश्व के कई देशों में एक नई चेतना जगाई थी। जब विविधताओं से भरा भारत जैसा देश, विभिन्न चुनौतियों से निपटने वाली विशाल आबादी वाला देश, एक विश्वास के साथ आगे बढ़ता है, तो इससे विश्व के कई देशों को प्रेरणा मिलती है। आने वाले दिनों में भारत की हर उपलब्धि विश्व के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग देशों के लिए उपलब्धि बनने जा रही है। भारत की जिम्मेदारी अब बड़ी हो गई है क्योंकि विकसित होने का इसका संकल्प कई अन्य देशों की शक्ति बन जाएगा।

नया संसद भवन अपनी सफलता में देश के विश्वास को सुदृढ़ करेगा और सभी को एक विकसित भारत की ओर प्रेरित करेगा। हमें राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ना होगा। हमें कर्तव्य पथ को सर्वोपरि रखना होगा। हमें अपने आचरण में निरन्तर सुधार करते हुए एक उदाहरण बनना होगा। हमें अपने रास्तों का निर्माण खुद करना होगा। नई संसद विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को नई ऊर्जा और शक्ति देगी। हमारे श्रमजीवियों ने संसद को इतना भव्य बना दिया है, लेकिन अपने समर्पण से इसे दिव्य बनाने की जिम्मेदारी अब सांसदों की है। यह 140 करोड़ भारतीयों का संकल्प है जो संसद को पवित्र करता है। उम्मीद है कि यहां लिया गया हर निर्णय आने वाली सदियों की शोभा बढ़ाएगा और आने वाली पीढ़ियों को सुदृढ करेगा। निर्धनों, दलितों, पिछड़ों, जनजातीयों, दिव्यांगो और समाज के हर वंचित परिवार के सशक्तीकरण का रास्ता वंचितों के विकास को प्राथमिकता देने के साथ-साथ इस संसद से होकर गुजरेगा। इस नए संसद भवन की हर ईंट, हर दीवार, हर कण गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित होगा। अगले 25 वर्षों में इस नए संसद भवन में बनने वाले नए कानून भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाएंगे, गरीबी को भारत से बाहर निकालने में मदद करेंगे और देश के युवाओं और महिलाओं के लिए नए अवसर सृजित करेंगे।

संसद का नया भवन एक नए, समृद्ध, मजबूत और विकसित भारत के निर्माण का आधार बनेगा। यह एक ऐसा भारत है जो नीति, न्याय, सच्चाई, गरिमा और कर्तव्य के मार्ग पर चलता है और मजबूत बनता है। ●●●

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन के लोकार्पण के अवसर पर दिए गए उद्बोधन के संपादित अंश को 'दीप कमल' का 'विशेष संपादकीय' बनाया गया है।

अपनी प्रतिक्रिया कृपया इस आईडी पर दें-

jay7feb@gmail.com

आपातकाल

यह दूसरी आज़ादी हमने कांग्रेस से लड़कर हासिल की है

डा. रमन सिंह

बीसवीं सदी में भारत, आज़ादी की लड़ाई का मुख्यतया दो बार गवाह बना। पहली लड़ाई फिरंगियों से थी, जिसकी शुरुआत उन्नीसवीं सदी से ही हुई थी और दूसरी लड़ाई राष्ट्रवादियों को कांग्रेस से ही लड़नी पड़ी थी, आपातकाल के विरुद्ध, जब देश से लोकतंत्र को ही समाप्त कर दिया गया था। अन्य मौलिक अधिकारों की तो बात ही क्या करें, तब नागरिक अपने जीने के नैसर्गिक अधिकार तक से भी वंचित हो गए थे। जहां पहली आज़ादी में सत्ता हासिल करने के लिए देश के ही टुकड़े कर दिए गए थे, वहां 'दूसरी आज़ादी' की लड़ाई लड़नी ही इसलिए पड़ी क्योंकि न्यायालय से अयोग्य घोषित हुई प्रधानमंत्री ने सत्ता बचाए रखने के लिए संविधान के ही चिथड़े कर दिए थे। अभी हम जिस आज़ादी में सांस ले पा रहे हैं, वह लोकनायक जयप्रकाश, जननायक अटल-आडवानी की पार्टी द्वारा त्याग और बलिदानों से पायी हुई आज़ादी है। विडंबना ही है कि जिस दल के विरुद्ध लड़कर हमने यह आज़ादी पायी है, उसी दल को आज भी आज़ादी का श्रेय दिया जाता है जबकि यह अवधारणा तथ्यों के बिल्कुल उलट है।

25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तब की पीएम श्रीमती इन्दिरा गांधी के कहने पर भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन आपातकाल की घोषणा कर दी थी। इस तरह भारत इस बार अपने ही लोगों का गुलाम हो गया था। श्रीमती गांधी ने अपने राजनीतिक विरोधियों को कैद कर लिया और प्रेस को प्रतिबंधित कर दिया। तब लोकनायक ने इसे 'भारतीय इतिहास की सर्वाधिक काली अवधि' कहा था। वस्तुतः तब आपातकाल जैसी कोई परिस्थिति थी ही नहीं सिवाय इसके कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस जगमोहन लाल सिन्हा ने श्रीमती गांधी के खिलाफ चुनाव हारे राजनारायण जी की याचिका पर फैसला देते हुए श्रीमती गांधी का चुनाव रद्द कर दिया था और उसके बाद उनका प्रधानमंत्री पद पर बने रहना मुश्किल था।

यह वो दौर था जब श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही, भ्रष्टाचार एवं तमाम अनियमितता के खिलाफ देश भर में भयंकर आक्रोश था। गुजरात में कांग्रेस के चिमन भाई पटेल की सरकार को भ्रष्टाचार के आरोप में ही जाना पड़ा था। समूचे गुजरात की छात्र शक्ति सुलग रही थी। इधर बिहार में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की अगुवाई में सम्पूर्ण क्रान्ति का आन्दोलन रफ्तार पकड़ रहा था, जो देखते ही देखते देशव्यापी हो गया था। मार्च-अप्रैल, 1974 में बिहार के छात्र आंदोलन का जयप्रकाश नारायण ने समर्थन किया। उन्होंने पटना में संपूर्ण क्रांति का नारा देते हुए छात्रों, किसानों और श्रम संगठनों से अहिंसक तरीके से भारतीय समाज का रुपांतरण करने का आह्वान किया। एक महीने बाद देश की सबसे बड़ी रेलवे यूनियन राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर चली गई। इंदिरा सरकार ने निर्मम तरीके से इसे कुचला। इससे सरकार के खिलाफ असंतोष बढ़ा।

आपातकाल की घोषणा होते ही स्वयंसेवकों और तमाम गैर कांग्रेसी नेताओं की गिरफ्तारी शुरू हो गयी। उन पर प्रताड़नाओं का सिलसिला सा चल पड़ा। देश भर से लाखों लोग सत्याग्रह करके जेल गए और लाखों लोगों को गिरफ्तार किया गया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण, मोरारजी भाई देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, के. आर. मलकानी, अरुण जेटली, जॉर्ज फर्नांडिस, नीतीश कुमार, सुशील मोदी, रामविलास पासवान, शरद यादव, रामबहादुर राय आदि गिरफ्तार रहे और गुजरात के ही प्रकाश बह्मभट्ट, हरिन पाठक, नलिन भट्ट समेत समूचा विपक्ष जेल में था। अविभाजित मध्यप्रदेश से भी सारे नेता गिरफ्तार कर लिए गए थे। वरिष्ठ भाजपा नेता सच्चिदानंद उपासने जी भाइयों समेत जेल में थे। अंचल के वरिष्ठ नेता रहे बद्रीधर दीवान जी समेत सैकड़ों लोगों पर आपातकाल का कहर किस हद तक टूटा था, यह आज इतिहास ही है। उस समय जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया था, उन्हें यह

आपातकाल की बरसी (25 जून) पर विशेष

अभी हम जिस आज़ादी में सांस ले पा रहे हैं, वह लोकनायक जयप्रकाश, जननायक अटल-आडवानी की पार्टी द्वारा त्याग और बलिदानों से पायी हुई आज़ादी है। विडंबना ही है कि जिस दल के विरुद्ध लड़कर हमने यह आज़ादी पायी है, उसी दल को आज भी आज़ादी का श्रेय दिया जाता है जबकि यह अवधारणा तथ्यों के बिल्कुल उलट है।

साभार : फाइल फोटो

भी नहीं पता था कि आपातकाल कब हटेगा और वे कब रिहा होंगे। यहां विशेष कर यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि 'सेक्युलरिज्म' शब्द पहले हमारे संविधान में नहीं था। आपातकाल में जब सारी ताकतें केवल एक व्यक्ति में केन्द्रित थी, तभी 'पंथनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' इन दोनों शब्द भी संविधान के प्रस्तावना में चुपके से डाल दिए गए थे।

आपातकाल में अभिव्यक्ति की आज़ादी को भी कुचल दिया गया था। 25 जून 1975 की आधी रात को इमरजेंसी लगने के तुरंत बाद अखबारों के दफ्तरों की बिजली काट दी गई, ताकि ज्यादातर अखबार अगले दिन आपातकाल का समाचार ना छाप सकें। आपातकाल के दौरान 3801 अखबारों को ज़ब्त किया गया। 327 पत्रकारों कोमीसा कानून के तहत जेल में बंद कर दिया गया। 290 अख़बारों में सरकारी विज्ञापन बंद कर दिए गए। ब्रिटेनके 'द टाइम्स' और 'द गार्डियन' जैसे समाचार पत्रों के 7 संवाददाताओं को भारत से निकाल दिया गया था। रॉयटर्स सहित कई विदेशी न्यूज़ एजेंसियों के टेलीफोन और दूसरी सुविधाएं काट दी गई। 51 विदेशी पत्रकारों की मान्यता छीन ली गई। 29 विदेशी पत्रकारों को भारत में प्रवेश देने से मना कर दिया गया।

अगर इस घटनाक्रम को कांग्रेस पार्टी के सन्दर्भ में देखें, तो उस दल की मानसिकता आज भी बिल्कुल आपात्काल वाली ही दिखेगी। छत्तीसगढ़ समेत जिन मुट्ठी भर प्रदेशों में कांग्रेस या उसके प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष समर्थित दलों का शासन है, वहां के हालात आज भी इसी मानसिकता की गवाही दे रहे हैं। महाराष्ट्र में किस तरह से असहमति के कारण अभिनेत्री का घर ढाह दिया जाता है, पत्रकारों के साथ कैसा सलूक होता है। पालघर के साधुओं को भीड़ द्वारा लिंच कर देने की खबर दिखाने के कारण अर्णव गोस्वामी और उनकी टीम के साथ कांग्रेस समर्थित सरकार ने वहां कैसा बर्बर अत्याचार किया, यह उदाहरण सामने है। रायपुर में किस तरह असहमति के करण किसी पत्रकार को ड्रग्स के झूठे मामले में फंसाया जाता है, यह देखें। चुनाव उपरान्त पश्चिम बंगाल की नृशंस हिंसा का ही उदाहरण देखें। आप हमेशा यह महसूस करेंगे कि कांग्रेस और उस मनोवृत्ति वाली पार्टियां सत्ता में आने या बने रहने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। ये चीज़ें महज़ संयोग नहीं बल्कि प्रयोग है। यही आपातकाल वाली कांग्रेस की मूल वृत्ति है।

यहां विशेष कर यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि 'सेक्युलरिज्म' शब्द पहले हमारे संविधान में नहीं था। आपातकाल में जब सारी ताकतें केवल एक व्यक्ति में केन्द्रित थी, तभी 'पंथनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' इन दोनों शब्द भी संविधान के प्रस्तावना में चुपके से डाल दिए गए थे।

प्रदेश की कांग्रेस के शासन में आज भी अभिव्यक्ति के अधिकारों पर इतना कड़ा पहरा है, असहमति की आवाजों को ऐसे दबाया जाता है जिसका कोई सानी नहीं है। कुछ समय पहले कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में धरना-प्रदर्शनों आदि के लिए ऐसी ऐसी शर्तें लाद दी है कि कोई भी संगठन अब तमाम आयोजन बस सरकार की कृपा दृष्टि से ही कर पायेंगे या आयोजकों को जेल में डाल दिया जाएगा। यहां छोटी-छोटी असहमतियों तक के लिए, देशभक्त समूहों द्वारा शासन की कुनीतियों के खिलाफ लिखे पोस्ट्स आदि के लिए संगीन आरोपों में मुकदमा कर उन्हें जेल में डाल दिया जाता है। महीनों तक जेल में बंद रहते हैं लोग केवल फेसबुक/ट्विटर पर लिखने के कारण। वस्तुतः कांग्रेस का मूल ही आपातकाल की मानसिकता वाला है। महज़ इसलिए क्योंकि वह आपसे असहमत है और आप वैसे ही उनकी अभिव्यक्ति की आज़ादी को ख़त्म करना चाहते हैं जैसा इंदिरा जी ने किया था।

आपातकाल के दिन को बार-बार याद करने की ज़रूरत इसलिए भी है क्योंकि इतिहास को याद नहीं रखने पर उसके दुहराये जाने का खतरा बना रहता है। आपातकाल के सन्दर्भ में यह कहना होगा कि आज 2023 में हम जिस आज़ादी की हवा में सांस ले रहे हैं, यह आज़ादी कांग्रेस से लड़ हासिल की गयी है। अंग्रेजों से लड़ कर हमें जो आज़ादी मिली थी, कांग्रेस ने वह विरासत 1975 में ही ख़त्म कर दिया था। आज का लोकतंत्र कांग्रेस के कारण नहीं, बल्कि उसके बावजूद कायम है। ●●●

भाजपा का छत्तीसगढ़व्यापी अभियान

चलबो गोठान, खोलबो पोल

प्रदेश भाजपा द्वारा भूपेश सरकार द्वारा किये 1300 करोड़ से अधिक के घोटाले का सनसनीखेज खुलासा

प्रदेश कांग्रेस ने अपने जन-घोषणा पत्र में बड़े-बड़े वादे कर छत्तीसगढ़ की जनता को सब्ज बाग दिखाए थे। वैसे वादे तो छलावे हुए ही, जिस योजनाओं के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर जनता से ठगी की, सबसे अधिक भ्रष्टाचार भी उन्हीं योजनाओं में किया। मसलन नरवा-गुरबा-घुरबा-बारी के नाम पर गोठान घोटाले या फिर शराबबंदी का वादा कर शराब की घर पहुंच सेवा शुरू करना और उसमें अभी तक के आंकड़े के अनुसार 2 हजार करोड़ से अधिक के घोटाले करना। इस तरह के तमाम घोटाले परत दर परत खुल रहे हैं। जहां शराब के बड़े घोटाले केन्द्रीय एजेंसियों ने पकडे हैं, वहीं प्रदेश भर में एक अभियान - चलबो गोठान खोलबो पोल- चला कर भाजपा ने गोमाता के नाम पर नृशंस लूट और भ्रष्टाचार का पूरे प्रदेश में लाइव खुलासा किया है। मुख्यमंत्री द्वारा अपनी कुर्सी बचाने, दस जनपथ का एटीएम बन कर जिस तरह की लूट को अंजाम दिया है, उससे छत्तीसगढ़ शर्मिन्दा है।

कांग्रेस राज में 1300 करोड़ का गोठान घोटाला: अरुण साव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अरुण साव ने भाजपा के प्रतिनिधि मंडल एवं कार्यकर्ताओं ने साथ गोठान का अचानक निरीक्षण किया जिसमें बड़ी संख्या में पत्रकार गण भी साथ रहे। सभी ने गौठान का हाल देखा जिसमे न गाय मिली, न गोबर बेचा जा रहा था, गोठान में गाय के रखरखाव हेतु कोई व्यवस्था नहीं मिली ऐसा लगा यहां कभी गाय रही ही नही।

स्थल पर ही प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस की सरकार जब से सत्ता में आयी है, उसने बेदर्दी से प्रदेश के संसाधनों की लूट की है। रोज़ प्रकाश में आते घपले-घोटालों की खबरों से छत्तीसगढ़ शर्मसार हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को कलंकित किया है। सबसे शर्मनाक घोटाला इस सरकार ने गोमाता के नाम पर किया है। कथित नरवा, गरवा, घुरवा, बारी के नाम पर इसने वोट हासिल किया। छत्तीसगढियों की भावना से खिलवाड़ किया और इस मद में भी अभी तक सामने आए तथ्यों के अनुसार गोठान के नाम पर विभिन्न मदों से खर्च की गयी 1300 करोड़ से अधिक की राशि का दुरुपयोग कर इसमें भारी घोटाला किया गया है।

उन्होंने कहा कि हम अभी शासन का एक गोठान देखने आए हैं, आप सब इसे देख कर समझ सकते हैं कि इसके नाम पर भी कैसा गोरखधंधा किया गया है। जब राजधानी के पास के गोठान का यह हाल है, तो गांव देहातों के गोठान और उस के नाम पर मची लूट की कल्पना कर लीजिए।

गोठान के नाम पर चल रहे गोरखधंधे में कांग्रेस सरकार ने सबसे अधिक पंचायतों/सरपंचों के हक पर ही डाका डाला है। विभिन्न मदों में पंचायतों के विकास के लिए आयी राशि को सरपंचों से छीन कर सीधे उसे अनेक बहानों के साथ बंदरबांट कर लिया गया है।

बकौल प्रदेश भाजपाध्यक्ष अरुण साव:-

■ सरकारी दावे के अनुसार ही बात करें तो प्रदेश में कथित तौर पर 9790 गोठान कार्यरत हैं। शोभा के लिए बने कुछ कथित 'आदर्श गोठानों' को छोड़ दें तो कहीं भी कोई व्यवस्था नहीं है।

■ भूपेश जी कहते हैं कि प्रत्येक गोठान में लगभग 8 लाख से 19 लाख रुपया खर्च किया है। इसके अलावा 10 हजार रुपया प्रतिमाह रखरखाव के नाम पर अलग से गोठानों के नाम पर भेजा जा रहा है, उसका अधिकांश भाग भ्रष्टाचार की ही भेंट चढ़ रहा है।

■ घोटाले बिना रोक-टोक के जारी रहे इसलिए नियमानुसार गोठान समिति का चुनाव भी नहीं कराया गया है। बड़ी संख्या में इसमें सत्ता के क़रीबियों ने बिना चुनाव के ही कब्जा कर लिया है।

■ भारत सरकार ने मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, 14वां वित्त, 15वां वित्त, एलड्ब्ल्यूजी, रूर्बन, डीएमएफ जैसे मदों में राशि भेजी है। उस पैसों को भी डायवर्ट कर गोठान के नाम पर भारी भ्रष्टाचार किया गया।

■ विकास कार्यों के लिए आए तमाम पैसों को डायवर्ट कर देने के कारण पंचायतों में पैसे ही नहीं बचे। सभी जगह विकास के तमाम कार्य ठप हैं। गांवों में रोड, नालियां आदि बनना बंद है।

■ प्रत्येक गोठान में 300 गाय रखने का नियम है। शायद ही किसी में इतनी गायें हों।

■ इसी तरह गोबर खरीदी के नाम पर प्रति माह करोड़ों का भुगतान कांग्रेस सरकार कर रही है। पर वे पैसे कहां जाते हैं, इसका कोई पता नहीं है।

■ इस ख़रीदी के नाम पर ऐसे-ऐसे लोगों के नाम भुगतान किए गए हैं, जो संबंधित स्थनाओं पर रहते भी नहीं हैं। भाजपा ने उसकी शिकायत भी अनेक जगह की है।

■ सदन में सरकार ने बताया कि गोठान निर्माण पर अभी तक 1019 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। वर्मी कम्पोस्ट के लिए टंकी बनाने के नाम पर 233 करोड़ खर्च किए गए हैं। इसके अलावा फ़रवरी 23 तक 105 करोड़ और खर्च कर देने की बात सरकार ने कही है। इनमें से अधिकांश पैसे कागजों पर खर्च किये दिखते हैं।

■ 2 रु. प्रति किलो में लोगों से कथित तौर पर गोबर खरीदा गया और वर्मी-कम्पोस्ट के नाम पर कंकड़-पत्थर मिलाकर वही गोबर 10 रु. प्रति किलो में उन्हें जबरन बेचा गया।

■ प्रदेश में कुल 1976 ऐसे लोग हैं, जिनके नाम पर 1 लाख रुपए से अधिक गोबर के मद में भुगतान हुआ है। ये कौन लोग हैं, यह पड़ताल का विषय है।

■ 174 करोड़ से अधिक गोबर खरीदी मद में दिए गए और सरकार का अनेक बार कहना हुआ कि गोबर सारा बह गया या खराब हो गया। जाहिर है ऐसी लगभग सारी खरीदी कागजों पर हुई है, और इसका पेमेंट सोसाइटियों से जबरन करा दिया गया।

■ अनेक जगह गोठानों को नियम विरुद्ध अभयारण्यों में बनाना बताया गया है।

■ इसी तरह रोका-छेका के नाम पर प्रोपगंडा किया गया, लेकिन न तो मवेशियों के लिए कोई खाने पीने का इंतज़ाम हुआ न ही उनके लिए कोई शेड आदि बने। हजारों गायों की मौत सड़कों पर दुर्घटना में या भूख से हो गयी।

सरकार द्वारा दिए गए अन्य आंकड़ों के अनुसार

■ 'प्रदेश 20 अप्रैल 2023 तक प्रदेश की 11 हजार पंचायतों में 10 हजार 6 सौ नब्बे गौठान स्वीकृत हुए हैं। जिसमें से 10 हजार से अधिक गौठान पूर्ण हो गये हैं।' प्रति गोठान 300 गोवंश/पशु रहना था किन्तु गोठान खाली पड़े हैं।

■ वर्ष 2023-24 में भी 175 करोड़ 10 लाख रूपए बजट रखा गया। लेकिन अधिकांश गोठानों में गाय नहीं है, कहां गए प्रति गोठान 300 अर्थात् 30 लाख से अधिक गोवंश?

■ गोठानों में पैरा-कट्टी आदि की पर्याप्त व्यवस्था नही है। भूख से गायों के मरने की तमाम खबरें आयी हैं।

■ मवेशी की तस्करी भी बड़े पैमाने पर हुई है और उसे रोकने वाले गोरक्षक इस सरकार की नज़र में अपराधी और गुंडे हैं।

गोठान घोटाला सामने आने से कांग्रेस की विश्वनीयता खत्म

केंद्रीय योजनाओं के धन और पंचायतों का हक मारकर गोठान के नाम पर हुए 1300 करोड़ के घोटाले का पर्दाफाश करने चलाये गए चलबो गोठान, खोलबो पोल अभियान में राज्य भर में भाजपा नेता गोठान पहुंचे और भारी भ्रष्टाचार उजागर किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव मुंगेली जिले के गोठान भी पहुंचे। गोठान में पूरी तरफ केवल और केवल अव्यवस्था नजर आई। श्री साव ने ग्रामीणों से जानकारी लेने के बाद कहा कि भूपेश बघेल सरकार ने गायों के नाम पर भी भ्रष्टाचार करने का पाप करने में कोई संकोच नहीं किया। भूपेश बघेल सरकार की घोटालेबाजी की पोल खोलने भाजपा गोठानों तक पहुंची है और 1300 करोड़ का आरंभिक घोटाला सामने आया है तो भूपेश बघेल के पैरों तले की जमीन खिसक गई है। श्री साव ने कहा कि सीएम बघेल आपा खो बैठे हैं। भ्रष्टाचार उजागर करने पर भाजपा को कोस रहे हैं। अब इससे कुछ नहीं होगा जनता सच जान चुकी है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल जांजगीर चांपा जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत रोगदा, विकासखंड नवागढ़ के गौठान में निरीक्षण करने पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने गोठानों की हालत देखने और ग्रामीणों से जानकारी लेने के बाद कहा कि भूपेश बघेल सरकार बड़े-बड़े वादे करके सत्ता में आई। वादों को खूंटी पर टांगकर भ्रष्टाचार करके कांग्रेस के मालिकों के लिए उगाही करने में लग गई। केंद्रीय योजनाओं का पैसा जनता के काम में लगाने की जगह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। पंचायतों का हक खा गए, गरीब का मकान छीन लिया, गरीब का अन्न तक खा गए। इसीलिए इनके जनघोषणा वीर सिंहदेव ने पंचायत मंत्री का पद छोड़ दिया और अब चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे।

विधायक, पूर्व मंत्री व प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर मगरलोड विकासखण्ड के अरौद, परसट्ठी और मोतिमपुर गांव के गौठान पहुंचे। श्री चंद्राकर ने बड़ी गड़बड़ी पकड़ी उन्होंने कहा कि गोठानों के नाम पर करोडों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है। इस योजना के लिये राज्य सरकार की कोई राशि आबंटित नहीं हुई। भूपेश बघेल सरकार केंद्र के पंद्रह वित्त आयोग के पैसे का, पंचायतों का हक मारकर डकैती कर रही है। ग्रामीणों के बीच देखा गया कि अरौद के गोठान में सत्तर हजार का गेट ही गायब है। पानी, चारा, पैरा कुछ भी नहीं है। मोतिमपुर गौठान अतिक्रमण का शिकार है। शराबी और असामाजिक तत्वों का अड्डा बना है। महिलाओं ने जिसका उग्र होकर विरोध किया। गोबर खरीबी बंद है। भुगतान का भी कोई ठिकाना नहीं है। इसके बाद परसट्ठी के गौठान में भी लापरवाही देख चंद्राकर ने एक अधिकारी को लताड़ लगायी।

राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय भिलाई के कोसानाला में 'चलबो गोठान खोलबो पोल' अभियान में शामिल हुई इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार ने यहां आनन-फानन में काम किया है जिसके कारण एक गौ माता की दुखद मृत्यु हो गई। गौठान में न चारा है और न ही पानी की कोई समुचित व्यवस्था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रायोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम में कांग्रेसी कहते हैं कि वह गोबर बेचकर ट्रैक्टर खरीद लेता है तो कोई सोना खरीद लेता है। जबकि वास्तविकता कुछ और ही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम के साथ घोटालों के रूप में एक मुख्यमंत्री की पहचान हो रही है। इस दौरान जब गौठान के बारे में आसपास के लोगों से पूछा गया तो बताया कि गौठान में चारे पानी की समुचित व्यवस्था भी नहीं है। उन्होंने कहा कि गोठान समिति के लोगों को पैसा भी नहीं मिल रहा है। प्रदेश सरकार की गोठान योजना की पोल जनता के सामने खुल चुकी है।

समूचे प्रदेश में हजारों गौठानों में भाजपा के नेतागण पहुंचे और यह देखकर अचंभित हुए कि जितने के घोटाले का अनुमान था, वह इससे कई गुणा बड़ा है। इस अभियान के संयोजक ओपी चौधरी के अनुसार यह घोटाला चारा घोटाले से भी बड़ा है। ●●●

छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले की एबीसीडी बकौल ईडी

पंकज झा

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार आने के छः आठ महीने बाद ही घपले-घोटालों की बात यूं तो ढंके-छिपे बाहर आने लगी थी, खासकर नए निजाम में शराब का कारोबार जिस तरह देखते ही देखते फलने-फूलने लगा था, जिस तरह खुले आम शराब के अवैध धंधे शासकीय दुकानों में ही शुरू हो गए थे, उस पर थोड़ा बहुत मीडिया की भी नजर पडी थी। एक दैनिक ने पहले पेज पर इससे संबंधित स्टोरी छापी भी लेकिन फिर बाद में सब कुछ 'मैंनेज' कर लिया गया। जिस सरकार ने बकायदा गंगाजल हाथ में लेकर शराबबंदी आदि का वादा करके सत्ता हासिल की थी, उसने फिर शराब की नदियां बहा दी। कोरोना के समय में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों को बहाना बना कर इसने शराब की सरकारी तौर पर होम डिलीवरी सेवा शुरू कर दी थी।

ऐसा सब कुछ इसलिए हो रहा था क्योंकि कांग्रेस सरकार ने शराब के कारोबार की एक समानंतर व्यवस्था कर ली थी। ऐसी व्यवस्था जहां सरकारी दुकानों में ही दो तरह के काउंटर शुरू हो गए थे। उन काउंटर में से एक में ऐसे शराब बिकते थे जिसका राजस्व (हालांकि अवैध कमीशन आदि इसमें भी सत्ता से जुड़े लोगों का होता ही था) सरकार को मिलती थी, लेकिन दूसरे वाले काउंटर पर डिस्टलरी से शराब सीधे दुकानों में पहुंचती थी और इससे प्राप्त सारी की सारी अवैध कमाई जैसा कि ईडी ने अपने प्रेस रिलीज आदि में बताया है – रायपुर के कांग्रेसी महापौर एजाज ढेबर के भाई अनवर ढेबर के पास जाती थी जिसे आगे वह अपने सबसे बड़े 'पोलिटिकल मास्टर' के पास अपना हिस्सा काट कर पहुंचा देता था।

घोटालों की यह रकम कितनी बड़ी थी, इसका पूरा आकलन खुद जांच एजेंसी अभी तक नहीं कर पायी है। उसने इस तमाम घोटाले का एक हिस्सा पकड़ पाने में फिलहाल सफलता हासिल की है, जो बकौल ईडी 2 हजार करोड़ रुपया होता है। इसके अलावा कोयला ट्रांसपोर्ट घोटाला, सीमेंट, आयरन पैलेट्स आदि में अवैध वसूली का भी फिलहाल 5 सौ करोड़ के आसपास की रकम का ब्यौरा ईडी के हाथ लगा है, जिस मामले में सीएम भूपेश बघेल की सबसे करीबी अफसर, उनकी उपसचिव सौम्या चौरसिया, आईएएस अधिकारी समीर विश्नोई समेत अनेक लोग फिलहाल जेल में हैं। किसी भी मामले में किसी भी अभियुक्त को जमानत नहीं मिलने के कारण यह तो कहा ही जा सकता है कि प्रथम दृष्टया सभी के खिलाफ पुख्ता साक्ष्य हैं।

इस घोटाले में मुखिया के निर्देश पर अनवर ढेबर द्वारा एक संगठित आपराधिक सिंडिकेट का निर्माण किया गया था, जिसके अंतर्गत भ्रष्टाचार का पूरा सिंडिकेट पार्ट A, पार्ट B एवं पार्ट C के अंतर्गत चलता था। इस तीनों प्लान के बहाने वैध बिक्री में कमीशन आदि, दूसरा पूरी तरह अवैध बिक्री वाले पैसे का प्रबंधन और तीसरा एफएल-10 लाइसेंस के नाम पर विदेशी कम्पनियां, जो सीधे तौर पर रिश्वत नहीं दे सकती थीं, उनके लिये एक अलग रास्ता निकलना शामिल है। ये तमाम काम इतने शातिराना ढंग से होते थे कि इस पर अच्छा खासा वेब सीरिज बन सकता है। ईडी के रिलीज में साफ कहा गया है कि अनवर इस घोटाले का सरगना अवश्य है, लेकिन वह रकम का अंतिम लाभार्थी नहीं है। अपना कमीशन काट कर ये लोग शेष रकम को 'पॉलिटिकल मास्टर' को भेज देता था। सीधी सी बात है कि छत्तीसगढ़ में 'पॉलिटिकल मास्टर' ही इस सिंडीकेट का सरगना है।

इंतजाम ऐसे पुख्ता थे कि ऐसे व्यवसाय का 'तरीका' समझने के लिए बाकायदा झारखंड सरकार ने 3 करोड़ फीस चुका कर छत्तीसगढ़ से इन लोगों को अपने यहां बुलाया था। जिस तरह से लगातार भूपेश बघेल भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दे रहे हैं, दोषी अधिकारियों तक पर कोई कारवाई नहीं की है, जिस तरह वे तमाम घोटालों में लिप्त कांग्रेसियों को बचाते रहे हैं, उससे सीधा साबित होता है कि यह 'पोलिटिकल मास्टर' वास्तव में 'मुखिया' ही हो सकते हैं। इडी ने आरोपियों के वाट्सऐप चैट आदि अदालत में पेश किए हैं, उसमें साफ़ तौर पर मुख्यमंत्री कार्यालय का ज़िक्र अनेक बार आया है।

यह घोटाला वास्तव में इतना फुल प्रूफ था कि शायद ही कभी केन्द्रीय एजेंसियों तक साक्ष्य के साथ इसकी जानकारी पहुंच पाती। हालांकि प्रदेश की जनता सीधे तौर पर इस गोरखधंधे को समझ रही थी और विपक्ष के रूप में लगातार भाजपा भी इस मुद्दे को उठाती रहती थी। लेकिन ऐसे तमाम आवाज इसलिए भी नक्कारखाने में तूती हो जाया करते थे क्योंकि अंततः क़ानून को साक्ष्य चाहिए होता है। साक्ष्य हासिल करने का ऐसा मौका भी अनायास ही केन्द्रीय एजेंसियों को हासिल हो गया। वस्तुतः फरवरी/मार्च 2020 के दरम्यान सरकार से जुड़े कुछ लोगों के यहां आयकर छापे पड़े जिसमें सौम्या चौरसिया, विवेक ढांड, अनिल टुटेजा समेत सरकारी अधिकारी, व्यवसायी और कांग्रेस के कुछ करीबी लोग शामिल थे। वैसे तो वह आयकर छापा था, लेकिन अनायास पड़े इस छापे में विभाग को ऐसे-ऐसे सबूत मिले जिससे वास्तव में एजेंसी भी सकते में आ गयी। उसमें अनेक साक्ष्यों के अलावा सबसे संवेदनशील व्हाट्सऐप चैट्स मिले हैं जिसमें बाकायदा चावल घोटाला के एक पुराने मामले में आरोपी

अधिकारियों द्वारा, जो इन दिनों मुख्यमंत्री बघेल के काफी करीबी हैं, को बचाने 'न्यायिक हस्ती', आरोपी, मुख्यमंत्री कार्यालय और सरकारी वकील आदि के बीच लगातर सौदों को अंजाम दिया जा रहा था।

आरोपियों को जमानत मिलने के बाद न्यायिक लोगों को उपकृत करने समेत ऐसे तमाम साक्ष्य ईडी द्वारा सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत किये गए जिसका एक अंश ही पब्लिक डोमेन में है और वही इतना संवेदनशील है, जिससे ऐसा लगता है मानो सरकार नहीं कोई अंडरवर्ल्ड इसे संचालित कर रहा था। अलग-अलग दस्तावेजों के अनुसार बकायदा कोयला पर प्रति टन 25 रूपये, तो आयरन पैलेट्स पर 100 रूपये, ऐसा वसूली संस्थागत रूप से सरकार द्वारा किया जाता था। खनिज विभाग में चलते ऑनलाइन प्रणाली को किस तरह घोटालों के लिए दबाव देकर बदलवाया गया, इसका भी साक्ष्य विस्तार से उन सभी कंवरसेशन में मिले। उसी मामले में सीएम की उपसचिव सौम्या चौरसिया समेत अनेक अफसर अभी जेल में हैं।

इस घोटाले में आरोपियों को बचाने के लिए एसआईटी गठन किया गया, जिसमें खुद आरोपियों को मौक़ा दिया गया कि अपने खिलाफ साक्ष्य को कमजोर कर सके, एसआईटी के चीफ पर दबाव डाल कर किस तरह आरोपियों को बचाने की कोशिश प्रदेश की सर्वोच्च सत्ता द्वारा की गयी, ये सारे विस्तार से साक्ष्य समेत दर्ज हुए हैं। दिलचस्प यह है कि जिन आरोपियों को बचाने में शासन ने पूरी ताकत लगा दी थी, उन्हीं के खिलाफ कारवाई की मांग, कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए भूपेश बघेल का मुख्य चुनावी मुद्दा भी था और इस मांग को लेकर बघेल ने दिल्ली तक पत्राचार समेत तमाम कोशिशें की थी।

आरोप यह भी हैं कि घोटाले की रक़म हवाला आदि के माध्यम से विदेश भेजी गई है। बड़ी संख्या में ऐसी कच्ची और देसी शराब प्रदेश भर के 800 दुकानों में खपाये गये हैं, जिसे वैध तरीक़े से भी बेचा नहीं जा सकता है। जैसा कि विपक्ष का आरोप है, इस मामले में एक भोले-भाले आदिवासी नेता कवासी लखमा को इसलिए आबकारी मंत्री बना कर रखा गया ताकि वे ख़ामोश रहें और 'पॉलिटिकल मास्टर' पूरी मलाई साफ करते रहें। भाजपा इसे समूचे आदिवासी समाज का अपमान भी प्रचारित कर रही है।

इसी तरह विपक्ष के आरोपों के अनुसार ब्रेवरेज कॉर्पोरेशन में भी अध्यक्ष का पद इसलिए ही खाली रखा गया ताकि लूट की रकम में एक और हिस्सेदारी न आ जाए। मुख्यमंत्री निवास के कुछ चुनिंदे चहेतों ने सारे निगम आदि को इस मामले में बाईपास कर दिया था। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने मांग की कि छत्तीसगढ़ में हुए घोटाले से संबंधित ये सभी मामलों की फ़ास्ट ट्रैक में सुनवाई हो। साथ ही भाजपा ने इस मामले में मुख्यमंत्री का इस्तीफा भी मांगा है, और अगर बघेल अपने पद से नहीं हटते हैं तो ये तमाम मामले प्रदेश से बाहर चलाये जायें, ऐसा विपक्ष की मांग है।

बहरहाल। इस मामले में एक सवाल ईडी द्वारा राजनीतिक आधार पर कारवाई करने का है, जैसा कि कांग्रेस और आरोपी पक्ष लगातार आरोप भी लगा रहे हैं। लेकिन एक प्रेस विज्ञप्ति में ईडी ने खुद स्पष्ट किया है कि उस पर लगे पक्षपात के तमाम आरोप आधारहीन हैं। ईडी के पोर्टल पर दी गयी जानकारी के अनुसार एजेंसी द्वारा कुल दर्ज मामलों में केवल 2.98 प्रतिशत मामले ही राजनेताओं के खिलाफ हैं। ऐसे ही 5 प्रतिशत से भी कम जब्ती नेताओं की संपत्ति से हुई है। ईडी का सक्सेस रेट 96 प्रतिशत है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. के. के. शर्मा ने केंद्रीय कार्यालय में प्रेसवार्ता आयोजित कर इस घोटाले का सिलसिलेवार जिक्र करते हुए कहा कि कट, कमीशन और करप्शन के बिना कांग्रेस पार्टी रह ही नहीं सकती है।

शराबबंदी का वादा नहीं निभा पाने की सफाई देते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मीडिया से कहा कि क्योंकि जहरीली शराब से लोग मर रहे थे, इसलिए उन्होंने शराबबंदी नहीं की। लेकिन जिस दिन वे यह बयान दे रहे थे उसी दिन प्रदेश के जांजगीर में जहरीले शराब पीने से सेना के एक जवान और किसान समेत तीन लोगों की मौत हो गयी। इसी तरह बगल के अकलतरा में भी ऐसी ही मौतें उसी दिन हुई। ऐसे में विपक्ष के इस आरोप में दम नजर आता है कि अगर केवल जहरीली शराब रोकने के लिए सीएम ने शराब बेचना जारी रखा, तो अब जबकि सरकार होम डिलीवरी कर रही है शराब की, तो अब ये नकली शराब कौन बेच रहा है?

इस घोटाले के सामने आने पर भाजपा ने महाधरना का आयोजन प्रदेश भर में किया था। दिलचस्प यह है कि बस्तर के नारायणपुर जिले में जहां महाधरना का आयोजन था, उसी के पास ही 50 लाख कीमत की अवैध शराब उसी समय पकड़ी गयी। बाद में भाजपा ने उस ट्रक के पास ही अपना महाधरना आयोजित किया।

आगे यह मामला चाहे जो भी मोड़ ले लेकिन चुनावी वर्ष में छत्तीसगढ़ में यह प्रदेश का सबसे बड़ा मुद्दा होगा, इसका अनुमान प्रेक्षक लगा ही रहे हैं। शराबबंदी का वादा कर सत्ता में आई कांग्रेस द्वारा शराब की होम डिलीवरी शुरू कर देना और फिर उसकी सरकार में इस तरह हजारों करोड़ का घोटाला होना, इस घोटाले में बड़ी-बड़ी हस्तियों का जेल में होना ही आज प्रदेश का सबसे बड़ा विषय है जिस पर प्रदेश के हर चौक-चौराहे पर चर्चा जारी है। ●●●

भूपेश सरकार यानी निकम्मापन और लूट-खसोट

शराब घोटाले के अलावा भी कांग्रेस के घोटालों की एक सीरीज है। मात्र चार वर्ष के कार्यकाल में ही कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को घोटालों का गढ़ बना दिया है। कुछ मुख्य घोटाले इस तरह हैः-

चावल घोटाला

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिले गरीबों के हिस्से के 5 हज़ार करोड़ से अधिक राशि के चावल का गबन भूपेश सरकार ने कर लिया है। इस घोटाले की केन्द्रीय टीम जांच भी कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने केंद्रीय खाद्य मंत्री पीयूष गोयल को 12 अप्रैल 2023 पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस सरकार द्वारा कोरोना काल में किए गए इस बड़े घोटाले का खुलासा किया। इसमें अप्रैल 2020 से दिसम्बर 2022 तक (कुल 33 माह) में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत भेजे गए अतिरिक्त चावल में से राज्य सरकार ने 1 करोड़ 50 लाख क्विंटल से अधिक चावल का वितरण नहीं किया, जिसका बाजार मूल्य 5 हजार करोड़ रूपये से अधिक है। चावल का केवल बस्तर में ही 1 करोड़ रूपये प्रति दिन का घोटाला है। सैकड़ों करोड़ का घोटाला सरकार ने स्वीकार भी कर लिया है।

कोयला और सीमेंट घोटाले

यह घोटाला भी शुरुआती आकलन के अनुसार ईडी ने 5 हजार करोड़ से अधिक का पाया है। इस घोटाले में मुख्यमंत्री की नजदीकी अधिकारी और उनकी उप सचिव सौम्या चौरसिया, आईएएस समीर विश्नोई समेत मुख्यमंत्री के अनेक कांग्रेसी भी गिरफ्त में हैं। इस घोटाले में षड्यंत्र कर नियम बदलते हुए कोयले पर प्रति टन 25 रूपये और सीमेंट/आयरन पैलेट्स आदि पर सौ रूपये अवैध वसूली का आरोप है।

माफिया सरकार

प्रदेश में लैंड माफिया, सैंड माफिया, शराब माफिया से लेकर लेकर ड्रग्स माफिया, कोल माफिया समेत हर तरह के लुटेरों की पौ बारह है। कांग्रेस संरक्षित तस्कर माफियाओं के हौसले बुलंद। छत्तीसगढ़ सरकार ने कोरोना सेस भी लगाया लेकिन उसे भी खर्च नहीं किया। हाईकोर्ट ने भी इस सेस की रकम को डकार लेने के आरोप पर कांग्रेस सरकार से जवाबतलब किया है।

डीएमएफ घोटाला

बड़े पैमाने पर इस फंड से रकम की बंदरबांट हो रही है। खुद सत्ताधारी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने भी इस फंड से उनके यहां 7 करोड़ के घोटाले होने की शिकायत सदन में की है। स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष भी मान रहे हैं कि ऐसे घोटाले बड़े पैमाने पर हो रहे हैं।

तबादला उद्योग

प्रदेश में तबादला ने बाकायदा एक उद्योग का रूप लिया हुआ है। बाकायदा सभी पद के लिए रेट तय हैं। मलाईदार स्थानों के लिए लाखों में बोलियां लगाई जाती है। सत्ता पक्ष से जुड़े विधायकों ने भी अनेक बार इस उद्योग की शिकायत की है।

सीएम घोटाला

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल स्वयं भी अनेक EWS आवास को हड़प कर उस पर अपना बंगला नियम विरुद्ध बनाए जाने के आरोपी हैं। इसके अलावा वे फर्जी अश्लील मामले में भी सीबीआई से चार्जशीटेड हैं।

एक चार्जशीटेड मुख्यमंत्री के रूप में भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ महतारी को शर्मिंदा किया। नक़ली अश्लील मामले में बघेल और उनके राजनीतिक सलाहकार जेल यात्रा के बाद ज़मानत पर बाहर हैं, इस मामले में सीबीआई ने चार्जशीट भी दायर कर दिया है।

कांग्रेस सरकार की शर्मनाक विफलता एक नजर में

- आदिवासी इलाकों के 25 हजार से अधिक बच्चों की इलाज के अभाव में मौत।
- छीना 16 लाख परिवारों के सर से छत। पीएम आवास से किया वंचित।
- प्रदेश की कानून-व्यवस्था बदहाल। 4 लाख से अधिक संज्ञेय अपराध 4 वर्ष में दर्ज।
- बच्चों के खिलाफ यौन अपराध के 18 हजार से अधिक मामले।
- सालाना 5 हजार से अधिक बलात्कार के मामले।
- आदिवासी बच्चियों से दुष्कर्म में तीसरा स्थान।
- अजा बच्चों से दुष्कर्म के मामले में देश में छठा स्थान।
- हर दिन 3 दुष्कर्म और 3 हत्या के मामले दर्ज हो रहे।
- फल-फूल रहा है नशे का कारोबार। सत्ता संरक्षित अपराध।
- 20 हजार से अधिक आत्महत्या मात्र 3 वर्ष में।
- 18-30 वर्ष की उम्र के 10 हज़ार से अधिक युवाओं द्वारा आत्महत्या।
- नशों का सत्ता संरक्षित कारोबार। शराब की होम डिलीवरी। माफियाओं का बोलबाला।
- किसानों को छलने और ठगने वाली सरकार, खाद तक के लिए किया प्रताड़ित।
- **दंगे-धर्मांतरण** : कवर्धा में दंगा। बस्तर से सरगुजा तक जबरन धर्म परिवर्तन। रोहिंग्याओं को बसाया।

ऐसा कोई सगा नहीं जिसे कांग्रेस ने ठगा नहीं। किसानों से खाद, बीज, बारदाना, रकबा छीना। युवाओं से रोजगार और भत्ता छीना। गरीबों से छीना अन्न और आवास। बुजुर्गों से वृद्धा पेंशन छीना कांग्रेस की सरकार ने। रेत माफिया, शराब माफिया, सीमेंट माफ़िया, नशा माफ़िया, भू माफिया, कोल माफिया से त्रस्त है प्रदेश। ●●●

मानवता के विरुद्ध अपराध का मुक़दमा भी दर्ज होना चाहिए भूपेश बघेल पर भाजपा

सांसद रायपुर, सुनील सोनी ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार द्वारा पिछले साढ़े 4 वर्ष में किए तमाम घोटालों से छत्तीसगढ़ शर्मिंदा है ही, लेकिन इनमें से कुछ घोटाले तो ऐसे हैं जो मानवता के विरुद्ध अपराध की श्रेणी में आता है। शराब घोटाले का एक अंश 2 हजार करोड़ का घोटाला तो अब साक्ष्यों के साथ समाने आ गया है। ईडी ने कोयला आदि घोटाले में भी सैकड़ों करोड़ की राशि अभी तक जब्त भी की है, लेकिन भूपेश बघेल द्वारा किए 5 हज़ार करोड़ के चावल घोटाले तो मानवता को शर्मिंदा कर रहे हैं। इसमें 68 हज़ार टन चावल का घोटाला तो सदन में भी स्वीकार किया हुआ कांग्रेस ने।

केंद्रीय खाद्य विभाग की एक टीम छत्तीसगढ़ के चावल घोटाले की जांच करने प्रदेश में आयी। भाजपा कोरोना काल से ही लगातार भूपेश सरकार द्वारा किए चावल घोटाले को भाजपा भी जनता के बीच ले जाती रही है। लगातार इसे लेकर आंदोलन भी किए गए। राशन दुकानों पर पर्चे चिपकाए। कोरोना संकट में भी वर्चुअल रैली और धरना आदि दिए गए। फिर भी कांग्रेस को उससे कोई फर्क नहीं पड़ा। वह घोटाले करती रही।

भाजपा सरकार के समय जिस 'पीडीएस सिस्टम' का यश दुनिया भर में था। पहली बार डा. रमन सिंह जी की सरकार ने 35 किलो चावल योजना ला कर छत्तीसगढ़ को पूर्ववर्ती कांग्रेसी शासन के अत्याचार और भूख-शोषण से मुक्त किया था, जिसकी तारीफ़ संयुक्त राष्ट्र संघ तक ने की थी, कांग्रेस सरकार ने उसे भी कलंकित कर दिया है। इस पीडीएस में भी सैकड़ों करोड़ से अधिक का घोटाला पकड़ा गया है। इसे कांग्रेस को अब स्वीकार भी करना पड़ा है। हालांकि कुल चावल घोटाला इससे

छत्तीसगढ़ महतारी के माथे पर कलंक, एक बदनुमा दाग साबित हो रहे हैं भूपेश

मुंह से निवाला, सर से छत, पीने का पानी, इलाज सब छीन लिया कांग्रेस ने। कोयला, सीमेंट, आयरन, ज़मीन, रेत सब खा गयी। विश्वासघात किया है, 'हाथ' रंगे हैं इसके छत्तीसगढ़ियों के भरोसे के खून से।

काफ़ी बड़ा है। यह अब तक का सबसे बड़ा पीडीएस घोटाला है।

विधानसभा में इसे लेकर जब आंकड़े पेश किए गए तो खाद्य विभाग के डेटाबेस में 1.65 लाख मीट्रिक टन चावल जबकि जिले के डेटाबेस में 96 हजार मीट्रिक टन चावल अंकित है। कांग्रेस सरकार यह नहीं बता पायी कि शेष 69 हजार मीट्रिक टन चावल कहां गया, किसने खा लिया। अरबों रुपए का यह चावल कांग्रेस के किस चुनाव में एटीएम बन गया, यह बताना चाहिए।

न केवल प्रदेश के चावल में हेराफेरी की गयी है बल्कि केंद्र द्वारा आवंटित चावल को भी कांग्रेसी खा गए। जैसा कि हम जानते हैं कि कोरोना संकट के समय मोदी जी ने 'भारत का एक भी व्यक्ति भूखा न सोए' इस आह्वान के साथ 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न' योजना शुरू किया था। यह योजना महज कुछ महीनों के लिए शुरू की गयी थी लेकिन बाद में संवेदनशील प्रधानमंत्री जी इसे लगातार बढ़ाते रहे हैं। अभी भी यह योजना दिसंबर 2023 तक के लिए बढ़ायी गयी है।

विश्व की सबसे बड़ी इस खाद्य योजना के तहत 81.35 करोड़ लोगों को पर्याप्त चावल या गेहूँ देने का प्रावधान है। इस में भी घोटाला कर शुरुआती आकलन के अनुसार 5 हज़ार करोड़ का लाखों टन चावल खा गए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल। 2020 से ही भाजपा लगातार इस मामले को उठाती रही है। पार्टी ने लगातार इस बेईमान भूपेश सरकार को जगाने के लिए, उसे सावधान करने के लिए इस मुद्दे को उठाती रही। कोरोना काल में भी लगातार वर्चुअल रैली और धरना आदि के माध्यम से भी बात पहुँचाती रही, राशन दुकानों पर भी समूचे प्रदेश में भाजपा ने आंदोलन किए, पर्चे चिपकाए समूचे प्रदेश में एसडीएम को जापान दिए गए लेकिन सत्ता के अहंकार और पैसे की अदम्य भूख के कारण भूपेश बघेल के कान पर जू नहीं रेंगी। वे लगातार न केवल भाजपा का मजाक उड़ाते रहे लेकिन इसे रोकना मुनासिब नहीं समझा।

अंततः भाजपा ने प्रदेश में सुनवाई नहीं होते देख केंद्रीय खाद्य विभाग समेत अन्य एजेंसियों में शिकायत की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अरुण साव, सांसद सुनील सोनी ने इस विषय को लोकसभा में उठाया। पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह जी ने केंद्रीय खाद्य मंत्री श्री पीयूष गोयल को भी पत्र लिखा। लगातार भाजपा नेताओं ने मंत्री जी से मिल कर भी जांच करने का निवेदन किया था। तब जा कर खाद्य मंत्रालय की टीम इस घोटाले की परतें खोलने प्रदेश में आयी। वास्तव में छत्तीसगढ़ महतारी के माथे पर कलंक, एक बदनुमा दाग साबित हो रहे हैं भूपेश, आज समूचे देश-दुनिया में केवल छतीसगढ़ के लूट की चर्चा है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत केंद्र से हर महीने छत्तीसगढ़ को 1 लाख 385 टन अतिरिक्त आवंटन किया जा रहा है। प्रति व्यक्ति 5 किलो चावल प्रति महीने के हिसाब से इससे 2 करोड़ से अधिक लोगों को हर महीने यह लाभ मिलना था। लेकिन इसमें से मुश्किल से एक तिहाई लोगों तक यह लाभ पहुंच रहा है। करीब 1.5 करोड़ गरीबों के मुंह से निवाला छीना है कांग्रेस सरकार ने विधनासभा में तात्कालीन नेता प्रतिपक्ष श्री धरमलाल कौशिक, विधायक श्री शिवरतन शर्मा, पूर्व खाद्य मंत्री श्री पुन्नुलाल मोहले समेत भाजपा विधायकों के सवाल के जवाब में शासन ने स्वीकार किया था है कि प्रति माह लाख 385 टन अतिरिक्त चावल केंद्र द्वारा छत्तीसगढ़ को आवंटित किया जा रहा है।

प्रदेश में प्राथमिकता समूह के राशन कार्ड पर मई 2021 से अब तक 5 किलो प्रति सदस्य के मुताबिक मिले चावल का अधिकांश हिस्सा जरूरतमंद हितग्राहियों तक कांग्रेस सरकार ने नहीं पहुंचाया हैं, इस आवंटन का अधिकांश चावल कांग्रेस खा गयी है। केंद्र सरकार द्वारा जहां प्रति व्यक्ति प्रति महीने 5 किलो चावल राज्य को दिया गया, परंतु सरकार ने ऐसे राशन कार्डधारी जिनके परिवार में 1, 2 और 3 सदस्य तक हैं, उनको यह अतिरिक्त चावल नहीं दिया। यहां तक कि शासन के एक मंत्री ने इस बड़ी गड़बड़ी को स्वीकार भी किया था, लेकिन ऐसे घोटाले जारी हैं।

औसतन एक राशन कार्ड पर तीन से चार सदस्य होते हैं, जिसमें 1, 2 और 3 सदस्यों तक वाले राशनकार्ड पर यह लाभ नहीं दिया जा रहा है। इस मान से अगर एक मोटा अनुमान लगाया जाय तो लगभग दो तिहाई लोगों के हिस्से का चावल गबन कर लिया जा रहा है। इससे पहले कोरोना काल में राज्य शासन ने पंचायतों को दिए एक-एक क्विंटल चावल की कीमत 32 सौ रुपये प्रति क्विंटल वसूल किया था जबकि कांग्रेस उसे मुफ्त देने की बात कर रही थी। अतः चावल का सरकारी रेट 32 रुपया किलो के मान से मोटे तौर पर यह घोटाला 5000 करोड़ से अधिक का है। ●●●

भाजपा की मांग

तमाम ऐसे घोटाले के जिम्मेदार भूपेश बघेल इस्तीफा दें।

केंद्र द्वारा आवंटित अतिरिक्त चावल जो नहीं दिए गए उसका नगद भुगतान हो।

गरीबों का निवाला छीनने वाले इस घोटाले के लिए कांग्रेस प्रदेश की जनता से माफी मांगे।

इस घोटाले की भी उच्च स्तरीय जांच हो दोषियों को कड़ी सजा मिले।

इस घोटाले में लिप्त लोगों पर आपराधिक मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाए।

भूपेश सरकार की विदाई तय : भाजपा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर तथा सह प्रभारी नितिन नवीन की उपस्थिति में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक संपन्न हुई। राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में आहूत इस बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वन्देमातरम् गायन से हुआ। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप, विजय शर्मा व ओपी चौधरी सहित वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे।

बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में 2 हजार करोड़ रुपए के शराब घोटाले के मद्देनजर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि प्रदेश की जनता इस कांग्रेस सरकार से त्रस्त हो चुकी है और आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कृतसंकल्पित है।

बैठक में प्रदेश सह प्रभारी श्री नवीन ने भाजपा के महासम्पर्क अभियान की जानकारी देकर इस दौरान प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। यह महासम्पर्क अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नौ वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के मद्देनजर चलाया जाएगा। श्री नवीन इस अभियान की राष्ट्रीय टोली के सदस्य तथा छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रभारी हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि गरीबों का मकान छीनने में जिन्हें शर्म नहीं आई, घोटाला करके गरीबों का चावल खाकर डकार जाने में जिनको शर्म नहीं आती, नकली और जहरीली शराब का गोरखधंधा करके प्रदेश के खजाने की लूट व जन-स्वास्थ्य से क्रूर खिलवाड़ करके भी जो शर्म महसूस नहीं करते, ऐसे लोगों की सरकार छत्तीसगढ़ पर असहनीय बोझ है और ऐसे लोगों को सरकार में रहने का कोई हक नहीं है। डॉ. सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब केवल कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए घोटालों की चर्चा है। लोग इन घोटालों से तंग आ चुके हैं और सरकार बदलने का मन बना चुके हैं।

कार्यसमिति का मार्गदर्शन करते हुए प्रदेश प्रभारी श्री माथुर ने कहा कि हमें वहाँ पहुँचना है जहाँ किन्हीं कारणों से हम अब तक नहीं पहुँचे। 15 साल प्रदेश सरकार का विकास और 9 साल केंद्र की मोदी सरकार का विकास जन-जन तक पहुँचे। इस हेतु श्री माथुर ने महासंपर्क

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में लिया गया 'छत्तीसगढ़ बचाओ संकल्प', मांगा सीएम का इस्तीफा

केंद्र में मोदी जी की सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे

जन अभियान के अलग-अलग कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु विस्तार से मार्गदर्शन किया। श्री माथुर ने कहा कि हर कार्य में कुछ नवाचार करें, कुछ नया सोचें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने ऐसे कई कार्य किए, जो केवल उन्हीं की सोच और उनके विजन की वजह से हुए। महासम्पर्क अभियान के दौरान प्रदेश भाजपा के नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता जनता से उस बात की चर्चा करें।

इससे पहले प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक शिवरतन शर्मा ने शराब घोटाले को लेकर निंदा प्रस्ताव रखा। प्रदेश भाजपा महामंत्री केदार कश्यप ने तेन्दूपत्ता संग्रहण और तेन्दूपत्ता संग्राहकों की समस्याओं व उनके रुके भुगतान को लेकर किए गए आंदोलनों तथा किसान चौपाल कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। श्री कश्यप ने बताया कि आगामी दिनों में भाजपा नेता, पदाधिकारी व कार्यकर्ता 13 लाख तेन्दूपत्ता संग्राहकों तक पहुँचेंगे। इसी क्रम में प्रदेश महामंत्री ओ.पी. चौधरी ने 'चलबो गौठान-खोलबो पोल' अभियान की जानकारी दी।

बैठक में दिवंगत पूर्व संसद सदस्य सोहन पोटाई सहित हाल ही में दिवंगत हुए पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी गई। इस हेतु ओजस्वी मण्डावी ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। जबरिया और अवैध धर्मांतरण के विरुद्ध सतत संघर्षरत नारायणपुर जिला भाजपा अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिन्हें नारायणपुर हिंसा के बाद प्रदेश सरकार ने झूठा मामला बनाकर तीन माह तक जेल में निरुद्ध कर रखा था, का प्रदेश प्रभारी श्री माथुर ने अभिनन्दन किया।

राजनीतिक प्रस्ताव/प्रदेश कार्यसमिति

छत्तीसगढ़ बचाओ संकल्पः अब तो यह स्पष्ट है, भूपेश सरकार भ्रष्ट है

प्रस्ताव : शिवरतन शर्मा **समर्थन : केदार कश्यप**

प्रदेश की कांग्रेस सरकार के कृत्यों से समूचा छत्तीसगढ़ शर्मसार है। 2 हजार करोड़ के प्रकाश में आये शराब घोटाले समेत जांच एजेंसी की कारवाईयों से जितने तथ्य सामने आये हैं, उससे भूपेश बघेल वास्तव में छत्तीसगढ़ महतारी के माथे पर कलंक साबित हुए हैं। शराबबंदी का वादा कर सत्ता में आयी कांग्रेस की इस विश्वासघाती सरकार ने न केवल शराब की घर पहुंच सेवा (होम डिलीवरी) शुरू कर दी, बल्कि शराब वितरण की समानंतर व्यवस्था कर प्रदेश के राजस्व को हजारों करोड़ का चूना लगाया। भूपेश सरकार ने बाकायदा कच्ची और जहरीली शराब बेच कर भी प्रदेश के सैकड़ों लोगों को मौत के मूंह में धकेल दिया है।

भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़
16 मई 2023, रायपुर
प्रदेश कार्यसमिति बैठक

इससे निंदनीय स्थिति और क्या हो सकती है भला कि कोरोना काल में जब जहरीली शराब से लगातर मौतें होने लगी तो भूपेश बघेल की सरकार ने उसे बहाना बना कर शराब को घर-घर पहुंचाना शुरू कर दिया। तबसे लेकर आजतक न केवल शराब के नाम पर हजारों करोड़ की लूट जारी है बल्कि लगातार छत्तीसगढ़ के लोगों की जानें जा रही है।इसके अलावान केवल छत्तीसगढ़ का संसाधन लूट कर भूपेश बघेल देश भर में कांग्रेस के राजनीतिक गतिविधियों के लिए एटीएम बने हुए हैं, बल्कि मुख्यमंत्री पद पर बने रहने की कीमत भी ऐसी ही लूट की राशि से 10 जनपथ को चुका रहे हैं।हाल में हुए खुलासे से अब दस जनपथ के एटीएमसे पर्दा उठ गया है।

छत्तीसगढ़ सबसे अधिक प्राकृतिक संसाधनों वाला प्रदेश है। यहां का यह शराब घोटाला दिल्ली के घोटाले से भी बढ़ कर है। 2 हजार करोड़ के घोटाले तो अभी ईडी ने पकड़े हैं,राजधानी रायपुर के महापौर का भाई इस घोटाले का सरगना साबित हुआ है, जाहिर है वह बिना मुखिया के संरक्षण के यह कर भी नहीं सकता था। एजेंसी ने कहा भी है सरगना वह अपना हिस्सा काट कर शेष रकम 'पोलिटिकल मास्टर' तक पहुंचा देता था। घोटाले की इस रकम से हजारों गरीबों के घर बन जाते, हजारों युवाओं को रोजगार मिल सकता था, अगर यह रकम प्रदेश के विकास पर खर्च होता तो। शराबबंदी का वादा कर सत्ता में आयी भूपेश सरकार ने घर-घर शराब पहुंचा कर, अवैध शराब पिला कर सैकड़ों जानें ले कर प्रदेश के भविष्य के साथ अक्षम्य खिलवाड़ किया है। इस कमीशनखोर और घोटालेबाज सरकार का एक पल भी सत्ता में बने रहना छत्तीसगढ़ के लिए अभिशाप साबित हो रहा। इसे हटा कर ही छत्तीसगढ़ बचाना संभव होगा।

प्रदेश भाजपा की यह कार्यसमिति छत्तीसगढ़ की छवि को देश भर में खराब करने, प्रदेश की पहचान को कलंकित करने, जनता के साथ विश्वासघात करते हुए शराब की नदी बहाकर छत्तीसगढ़ी युवाओं का भविष्य चौपट करने के अपराध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को यह ताकीद करती है कि वे बिना किसी राजनीतिक हथकंडे केप्रदेश के माथे पर लगे कलंक को मिटाने इस्तीफा दें। मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ कर भूपेश जी अपने ऊपर लगे सभी घोटालों की जांच कर रहे संस्थानों को एक आम आरोपी की तरह जांच में सहयोग करें। ●●●

सैकड़ों गणमान्य हस्तियों ने ली भाजपा की सदस्यता

भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति से प्रभावित होकर को छत्तीसगढ़ जानी-मानी हस्तियों ने सैकड़ों साथियों-प्रशंसकों के साथ भाजपा प्रवेश किया। भाजपा में प्रवेश करने वालों में पद्मश्री सम्मान प्राप्त हस्तियां, पूर्व आईएएस, समाज प्रमुख, जन प्रतिनिधि, किसान, छात्र, अधिवक्ता, फिल्म प्रोड्यूसर, डायरेक्टर, प्रोडक्शन मैनेजर,व्यापार जगत की मशहूर हस्तियां, राज्य अलंकरण से पुरस्कृत और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त छत्तीसगढ़ी लोककला के अग्रणी कलाकार शामिल हैं।

गुरुवार को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में हुए एक भव्य समारोह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा, प्रदेश महामंत्री द्वय केदार कश्यप व विजय शर्मा, सांसद सुनील सोनी, विधायक बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत, प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, सहित वरिष्ठ नेतागण उपस्थित थे।

भाजपा प्रवेश करने वालों में विभिन्न विधाओं के राज्य अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित हस्तियां, पद्मश्री राधेश्याम बारले के नेतृत्व में, दुर्ग संभाग के 169 कलाकारों के साथ ही रायपुर संभाग के लगभग 100 व बिलासपुर

यह छत्तीसगढ़ में भाजपा के लिए शुभ संकेत, प्रदेश में कांग्रेस और उसकी सरकार की उलटी गिनती शुरूः अरुण साव

संभाग के 28 कलाकारों सहित 309 कलाकारों ने भाजपा प्रवेश किया। इसी तरह पद्मश्री अनुज शर्मा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ फिल्म इंडस्ट्रीज के एक दर्जन कलाकारों और आधा दर्जन प्रोड्यूसर, डायरेक्टर, प्रोड्क्शन मैनेजर, एक दर्जन कृषकों सहित 52 लोगों ने भाजपा प्रवेश किया जिनमें छात्र, व्यापारी और अधिवक्ता भी शामिल हैं। भाजपा शामिल होने वालों में अनेक जिलों के कलक्टर रहे, पूर्व संयुक्त सचिव, एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म्स कमीशन के पूर्व सेक्रेटरी राजपाल सिंह त्यागी भी शामिल हैं।

अखिल भारतीय मरार, माली, कुशवाहा, मौर्य, सैनी महासभा छत्तीगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र नायक पटेल के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग के रायपुर संभाग के 28 समाज प्रमुखों ने भाजपा में प्रवेश लिया।

रायपुर संभाग के गोंड आदिवासी समाज के प्रमुख युवा समाजसेवी विजय ध्रुव के नेतृत्व में धमतरी-सिहावा क्षेत्र के साहू समाज, निषाद समाज, सेन समाज, कुर्मी समाज और अनुसूचित जाति वर्ग के 35 युवाओं ने भाजपा की सदस्यता ली। रायपुर नगर निगम के निर्दलीय पार्षद अमर बंसल के नेतृत्व में 28 समाजसेवियों ने भी भाजपा का दामन थामा। स्वामी कृष्ण प्रपन्नाचार्य, हाईकोर्ट एडवोकेट निशांत श्रीवास्तव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सेवानिवृत्त शासकीय सेवक अभनपुर क्षेत्र के ईश्वरलाल साहू, रायपुर के अधिवक्ता त्रय दीनबंधु गौर, प्रवीण पाल व रामकृष्ण ध्रुव ने भी भाजपा की सदस्यता ली।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री साव ने इस अवसर पर भाजपा की सदस्यता लेने वाले सभी गणमान्य लोगों का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ में भाजपा के लिए शुभ संकेतों का प्रारंभ है और इस बात पर मुहर भी है कि प्रदेश में कांग्रेस और उसकी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। प्रदेश के लोग कांग्रेस के कुशासन से बेहद त्रस्त हो चले हैं और अब वे भारतीय जनता पार्टी की ओर विश्वास भरी नजरों से निहार रहे हैं। ●●●

प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' ने सौ एपिसोड पूरे किये

भाजपा ने इसे उत्सव की तरह मनाया, छत्तीसगढ़ में भी बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित हुए.

भारत लोकतंत्र का अधिष्ठाता राष्ट्र है। लोकतंत्र सफल तभी होता है जब शासक और शासितों के मध्य संवाद का क्रम निर्बाध चलता रहे। देश के कोने-कोने में ऐसे बहुत-से काम हो रहे हैं, ऐसे बहुत-से प्रसंग उपस्थित हो रहे हैं जो भारतीय समाज जीवन को सही दिशा में बढ़ने की प्रेरणा प्रदान कर सकते हैं। लोकतंत्र में जनता तो अपनी बात शासन-प्रशासन तक कई तरह से पहुंचा सकती है, लेकिन शासक अपनी वह बातें जनता से कैसे साझा करें जो निराशा, हताशा और विफलता की आशंकाओं के अंधकार को चीर कर विश्वास, उमंग और रचनात्मक सोच का प्रकाश फैलाती हैं और देश को एक कोने से दूसरे कोने तक सामाजिक समरसता और राष्ट्रवाद के सूत्र में पिरोती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम से यह मार्ग निकाला है।

भारतीय लोकतंत्र जब विश्वसनीयता के घोर संकट के दौर से गुजर रहा था तब शासन पक्ष से ऐसी किसी रचनात्मक पहल की उम्मीद एक कोरी कल्पना भले लगती रही हो, लेकिन ऐसे ही एक कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस कोरी कल्पना के मिथक को तोड़ते हुए 'मन की बात' देश से साझा करके एक नए भारत को गढ़ने का बीड़ा उठाया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस कार्यक्रम ने लाखों-करोड़ों भारतीयों का ध्यान अपनी ओर खींचा, जो 03 अक्टूबर, 2014 (विजयदशमी) से प्रारंभ हुआ और अब तक निर्बाध चल रहा है। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री मोदी के लिए तो देश के करोड़ों नागरिकों से जुड़ने और विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार साझा करने का एक मंच बना ही है, साथ-ही-साथ देशवासियों को भी रचनात्मक दिशा का संधान करने में भी अद्भुत साहस की प्राप्ति हुई है। एक प्रधानमंत्री देश के हर हिस्से में हो रहे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, संस्कारात्मक, रचनात्मक कार्यों पर न केवल अपनी पैनी नजर रखे, बल्कि देश के हर नागरिक से उसे साझा करें, यह निश्चित तौर पर अप्रितम कल्पना का साकार होना ही माना जाएगा। और इसीलिए, विगत 30 अप्रैल को जब इस मासिक कार्यक्रम की 100वीं कड़ी का प्रसारण हुआ, तो भारतीय जनता पार्टी ने देशभर में इसे उत्सव के तौर पर लेकर अपनी हर बूथ इकाइयों तक ज्यादा-से-ज्यादा संख्या में सुनने का बड़ा कार्यक्रम में रखा।

मन की बात की 100वीं कड़ी के प्रसारण के निमित्त भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ में भी ज्यादा-से-ज्यादा लोगों के साथ सुनने का कार्यक्रम बनाया था। इस दृष्टि से भाजपा ने प्रदेशभर में इसके लिए कार्यक्रम प्रभारी तय किए, जिन्होंने अपने-अपने निर्धारित मंडल व बूथ केन्द्रों पर कम-से-कम 100 लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित कर उनके साथ 'मन की बात' सुनी।

इस कार्यक्रम से देश के जुड़ाव का यह भावपूर्ण क्षण प्रधानमंत्री श्री मोदी के लिए काफी भावुक कर देने वाला था। अपने इस प्रसारण की 100वीं कड़ी में श्री मोदी ने अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए कहा भी कि वे (श्री मोदी) अपने वर्तमान की व्यस्तताओं और प्रोटोकॉल से घिरे थे, किंतु देशवासियों से संवाद करते रहने की इच्छा के कारण वे रेडियो पर यह कार्यक्रम लेकर आए। सही अर्थों में यह संवाद कार्यक्रम हृदय से हृदय के संवाद का माध्यम बन गया है। भारतवासियों को इस कार्यक्रम ने प्रेरित, प्रशिक्षित और आंदोलित किया है।

मन की बात की 100वीं कड़ी के प्रसारण के निमित्त भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ में भी 100वीं कड़ी ज्यादा-से-ज्यादा लोगों के साथ सुनने का कार्यक्रम बनाया था। इस दृष्टि से प्रदेशभर में इसके लिए कार्यक्रम प्रभारी तय किए गये, जिन्होंने अपने-अपने निर्धारित मंडल व बूथ केन्द्रों पर कम-से-कम 100 लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित कर उनके साथ 'मन की बात' सुनी।

प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री ओम माथुर रायपुर ग्रामीण जिले के भानसोज में इस कार्यक्रम के लिए उपस्थित थे। उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष श्री अरुण साव भी रहे। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री श्री पवन साय आरंग विधानसभा में, केन्द्रीय राज्यमंत्री श्रीमती रेणुका सिंह रामानुजगंज मंडल, सांसद श्रीमती गोमती साय फरसाबहार मंडल के मंडरबहार, सांसद श्री गुहाराम अजगल्ले डभरा मंडल, सांसद श्री संतोष पाण्डेय डोंगरगाँव मंडल के अर्जुनी,

सांसद श्री विजय बघेल पाटन दक्षिण मंडल, सांसद श्री सुनील सोनी रायपुर के लाखेनगर मंडल के सुंदर नगर, सांसद श्री चुन्नीलाल साहू कोमाखान मंडल के ग्राम टेमरी, सांसद श्री मोहन मंडावी काँकेर ग्रामीण मंडल के दशपुर और सांसद डॉ. (सुश्री) सरोज पाण्डेय दुर्ग शहर मंडल के कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

इसी तरह भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव ग्रामीण मंडल के ग्राम फरहाद, नेता प्रतिपक्ष नारायण श्री चंदेल नवागढ़ मंडल के ग्राम सेमरा, पूर्व मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल लाखेनगर मंडल के भाठागाँव, पूर्व मंत्री श्री ननकीराम कँवर बरपाली मंडल, पूर्व मंत्री श्री पुन्नूलाल मोहले पथरिया मंडल के ग्राम अमोरा, पूर्व मंत्री व मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री अजय चंद्राकर सिर्री मंडल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री धरमलाल कौशिक बोदरी मंडल के बोदरी, विधायक श्री शिवरतन शर्मा निपनिया मंडल के कोदवा, विधायक श्री रजनीश सिंह बेलतरा मध्य मंडल के पाँवसरा, पूर्व मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी जयरामनगर मंडल के ग्राम देवरी खुर्द, विधायक व रायपुर संभाग प्रभारी श्री सौरभ सिंह अकलतरा ग्रामीण मंडल के ग्राम साकर, पूर्व मंत्री व प्रदेश प्रवक्ता श्री राजेश मूणत रायपुर के डीडी नगर मंडल, विधायक डमरूधर पुजारी झागरपारा मंडल के ग्राम ज्ञानमुड़ा, विधायक व प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती रंजना साहू धमतरी शहर मंडल के शीतलापारा वार्ड में उपस्थित रहकर मन की बात सुनने उपस्थित रहीं।

'मन की बात' सुनने के बाद प्रदेश के भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के शतक ने वसुधैव कुटुम्बकम् की भारतीय अवधारणा को दुनियाभर में साकार कर दिया। भारत के जन-जन के मन की बात को देश के चप्पे-चप्पे के साथ संयुक्त राष्ट्र में भी सुना गया। यह अभूतपूर्व अवसर हर भारतीय के लिए गर्व का अवसर बना। सम्पूर्ण विश्व में प्रधानमंत्री श्री मोदी एकमात्र ऐसे शासनाध्यक्ष हैं जो नियमित रूप से जनता के हर वर्ग से सीधा संवाद कर देश की दिशा तय करते हैं। जनता से मन की बात करते हैं और जनता के मन के मुताबिक देश का संचालन करते हैं। संयुक्त राष्ट्र भी मन की बात का भागीदार बन गया। यह सारी दुनिया में एकमात्र उदाहरण है कि किसी देश की जनता और उसके प्रधान सेवक के बीच की बातचीत को यह सम्मान मिला है।

प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री ओम माथुर ने मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक प्रधानमंत्री के हृदय में 135 करोड़ लोगों की धड़कन महसूस की गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी हर माह देश के मन को अपने मन में आत्मसात करते हुए मन से मन की बात करते हैं। दुनिया के सबसे बड़े इस संवाद की सार्थकता का प्रमाण यह है कि आज भारत की बात पूरी दुनिया सुन रही है और सीख रही है कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जन के मन को कैसे जाना जा सकता है? प्रधानमंत्री मोदी और छत्तीसगढ़ सहित भारत की जनता के बीच की बातचीत ने एक नया इतिहास रच दिया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व सांसद श्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने मंत्रमुग्ध होकर अपने मन की आवाज सुनी। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा ने इस अद्भुत, अपूर्व, ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी और छत्तीसगढ़ की जनता के बीच मन की बात कार्यक्रम के लिए माध्यम की भूमिका निभाई। पूरे प्रदेश में हर स्थान पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा जनता के बीच एकात्म स्थापित हुआ। इस वृहद आयोजन में भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता ने सक्रिय योगदान किया है। श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने अपने सेवक के विचारों को गौर से सुना और यह उपस्थिति बता रही है कि प्रधान सेवादार के प्रति जनता में अपार संतुष्टि है और यह संतुष्टि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में एक नया इतिहास रचेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता तथा भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त भी किया।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव ग्रामीण मंडल के ग्राम फरहाद, नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल ने नवागढ़ मंडल के ग्राम सेमरा, भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री के के शर्मा जी माना बस्ती, माना मंडल, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री पवन साय ने आरंग विधानसभा, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह ने रामानुजगंज मंडल, राज्यसभा सांसद डॉ. (सुश्री) सरोज पाण्डेय ने दुर्ग शहर मंडल, पूर्व मंत्री श्री बृजमोहन

अग्रवाल ने लाखेनगर मंडल के भाठागाँव, सांसद श्रीमती गोमती साय ने फरसाबहार मंडल के मंडरबहार, सांसद श्री गुहाराम अजगल्ले ने डभरा मंडल, सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने डोंगरगाँव मंडल के अर्जुनी, सांसद श्री विजय बघेल ने पाटन दक्षिण मंडल, सांसद श्री सुनील सोनी ने रायपुर के लाखेनगर मंडल के सुंदर नगर, सांसद श्री चुन्नीलाल साहू ने कोमाखान मंडल के ग्राम टेमरी, सांसद श्री मोहन मंडावी ने काँकेर ग्रामीण मंडल के दशपुर के कार्यक्रम में भागीदारी की।

पूर्व मंत्री श्री ननकीराम कँवर ने बरपाली मंडल, पूर्व मंत्री श्री पुन्नूलाल मोहले ने पथरिया मंडल के ग्राम अमोरा, पूर्व मंत्री व मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री अजय चंद्राकर ने सिर्री मंडल, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री राजेश मूणत डीडी नगर मंडल के बूथ क्रमांक 206 में,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री धरमलाल कौशिक ने बोदरी मंडल के बोदरी, विधायक श्री शिवरतन शर्मा ने निपनिया मंडल के कोदवा, विधायक श्री रजनीश सिंह ने बेलतरा मध्य मंडल के पाँवसरा, पूर्व मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने जयरामनगर मंडल के ग्राम देवरी खुर्द, विधायक व रायपुर संभाग प्रभारी श्री सौरभ सिंह ने व अकलतरा ग्रामीण मंडल के ग्राम साकर, विधायक श्री डमरूधर पुजारी ने झागरपारा मंडल के ग्राम ज्ञानमुड़ा, विधायक व प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती रंजना साहू ने धमतरी शहर मंडल के शीतलापारा वार्ड में, पूर्व राज्यसभा सांसद बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर जनपद पंचायत के ग्राम- बाहरचुरा बुथ क्रमांक 60 में प्रदेश महामंत्री श्री केदार कश्यप नारायणपुर जिले के रेमावंड बूथ क्रमांक

बालोद में मन की बात कार्यक्रम का दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क पर सीधा प्रसारण हुआ।

86 में, श्री विजय शर्मा कवर्धा जिले के बिपरिया मंडल ग्राम चरडोंगरी के बूथ क्रमांक 90 में, श्री ओपी चौधरी सक्ती जिले के चंद्रपुर के ग्राम अड़भाड़ में, प्रदेश मंत्री श्रीमती ओजस्वी मंडावी दंतेवाड़ा में जनता के साथ मन की बात सुनने उपस्थित रहे।

इस प्रसारण से एक दिन पहले प्रदेश अध्यक्ष श्री अरुण साव ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 'मन की बात' देश में आकाशवाणी व अन्य माध्यमों से प्रसारित किया जाने वाला एक अत्यंत ही लोकप्रिय कार्यक्रम है जिसके माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश जी जनता से संवाद करते हैं।

इस कार्यक्रम का पहला प्रसारण 3 अक्तूबर 2014 को किया गया। यह कार्यक्रम 52 भाषाओं एवं बोलियों जिनमें 11 विदेशी भाषाएं शामिल हैं, में प्रसारित होता हैं। यह कार्यक्रम इतना लोकप्रिय हैं कि 27 जनवरी 2015 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी प्रधानमंत्री जी के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया तथा भारत की जनता के पत्रों के उत्तर दिए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छत्तीसगढ़ समेत देश के सुदूर स्थानों की हमारी संस्कृति, कहानियों और परंपराओं के बारे में बात की। उन्होंने सफलतापूर्वक विभिन्न पीढ़ियों के बीच एक सेतु बनाया है और उन सभी को एक मंच पर लाने का प्रयास किया। मन की बात के माध्यम से प्रसारित बातचीत और विचारों ने राष्ट्रीय पुनरुत्थान को गति दी। मन की बात 100वें प्रसारण को लेकर छत्तीसगढ़ में जैसा उत्साह दिखाई दिया वह, इस बात की गवाही देता है कि मन की बात कार्यक्रम प्रधानमंत्री के माध्यम से एक आवाज, एक भावना और एक आह्वान, एक क्रांति पैदा करने और हमारी सोच में बदलाव लाने में सक्षम हुआ है। छत्तीसगढ़ में 10 हजार स्थानों पर 10 लाख से अधिक लोगों ने मन की बात की 100वीं कड़ी को सुना। ●●●

करोड़ों लोगों के विश्वास के साथ विकास की नयी कहानी लिख रहा है भारत : अर्जुन मुंडा

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने सोमवार को राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के नौ वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को बेमिसाल बताया। श्री मुंडा ने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता ने प्रधानमंत्री श्री मोदी पर भरोसा किया और इस भरोसे ने 2014 से 2023 के नौ वर्षों की कालावधि में देश को शांति, समृद्धि और विकास की स्पीड भी दिखाई और स्केल भी दिखाई है।

केन्द्रीय मंत्री श्री मुंडा ने कहा कि कभी दिल्ली से भेजा एक रुपया गरीबों तक पहुंचते-पहुंचते 15 पैसे ही रह जाता था, लेकिन आज दिल्ली से चला 100 रुपए पूरा का पूरा गरीबों तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश हर आपदा में देशवासियों की सेवा में जुटा है। श्री मुंडा ने कहा कि पोलियो, टिटनस और बीसीजी टीकों के लिए सालों मोहताज रहने वाले देश में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दुर्गम इलाकों तक ड्रोन के जरिए वैक्सीन पहुंचवाई और रिकॉर्ड समय में लाखों लोगों का कोविड वैक्सीन टीकाकरण कराया। पहले भारत दवाओं और टीकों के लिए विदेशी कृपा पर निर्भर था जबकि केन्द्र की मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत ने कोविड के दो स्वदेशी टीके न केवल विकसित किए, अपितु कई देशों को जीवनरक्षक दवाओं की आपूर्ति की। श्री मुंडा ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में गरीबों के लिए आवास निर्माण की ऐसी क्रांति पहले कभी

नहीं दिखी। महिलाओं की निर्णय-क्षमता बढ़ी है। घर-घर शौचालयों से महिलाओं के साथ अपराधों में और उनकी बीमारियों में तो कमी आई ही, साथ ही पर्यावरण को भी लाभ हुआ है। जल जीवन मिशन के जरिए होने वाले लाभों की चर्चा करते हुए श्री मुंडा ने बताया कि 12 करोड़ घरों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। गरीबों को 1121 लाख मीट्रिक टन निःशुल्क अनाज मिलने और वन नेशन-वन राशन कार्ड से हर महीने 3.5 करोड़ से ज्यादा परिवारों के लाभान्वित होने की जानकारी भी श्री मुंडा ने दी।

केन्द्रीय मंत्री श्री मुंडा ने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीबों के कष्ट को अनुभव कर उनकी समुचित चिकित्सा के इंतजाम किए। बीमारी और इलाज से होने वाली समस्याओं और उनके आर्थिक परिणामों से गरीब अब भयमुक्त हैं। सेनेटरी पैड, सस्ती दर पर जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करके केन्द्र सरकार ने आयुष्मान कार्ड के जरिए 5 लाख रुपए तक के इलाज को निःशुल्क किया। श्री मुंडा ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने किसानों की भलाई के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए। खाद की सब्सिडी बढ़ाकर 2000 करोड़ रुपए कर दी। फसल बीमा के अंतर्गत 1.4 लाख करोड़ रुपए के किसान-दावों का भुगतान हुआ। माइक्रो इरीगेशन, सूक्ष्म सिंचाई के जरिए पैदावार बढ़ाने का काम इन नौ वर्षों में तेजी से हुआ है। किसानों को प्रतिवर्ष 6000 रुपए की सम्मान निधि देना देश के किसानों के परिश्रम का सम्मान है। श्री मुंडा ने कहा कि केन्द्र की सरकार ने अपने नौ वर्षों के कार्यकाल में समाज के हर अंग को, हर वर्ग को उसका अधिकार व सम्मान प्रदान किया। महिलाओं को सशक्त करने पुराने कानूनों में सुधार करके महिलाओं को हर क्षेत्र में बढ़ावा दिया जा रहा है। समाज के वंचित वर्ग को आरक्षण देकर प्रगति में सहभागी बनाया गया। पिछड़ा वर्ग, अजा और अजजा वर्ग के अधिकारों को दृढ़ता प्रदान की गई। दिव्यांगों के लिए अवसरों का नया आकाश खोला गया।

केन्द्रीय मंत्री श्री मुंडा ने कहा कि नौ वर्ष के कार्यकाल में मोदी सरकार

ने हवाई यात्रा की सुविधाओं का विस्तार किया। 2014 तक प्रतिदिन 12 किलोमीटर की रफ्तार से बन रहे हाईवे अब प्रतिदिन 40 किलोमीटर की रफ्तार से बन रहे हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजान की सड़कें इन नौ वर्षों में दुगुनी बनी हैं। रेल सुविधाओं में विस्तार की चर्चा करते हुए श्री मुंडा ने कहा कि भारत वर्तमान में दुनिया में पांचवां सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है और जल्द ही यह जापान व दक्षिण कोरिया को पीछे छोड़ देगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा शिक्षा का बजट तीन गुना बढ़ाना और एक सुविचारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पाठ्यक्रम लाना इस सरकार की शिक्षित समाज-रचना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शानदार इंफ्रास्ट्रक्टर के आनंद और लाभ की भारतीय आशा को केन्द्र की सरकार ने विश्वास में बदलने का काम किया। मेक इन इंडिया की एक नई परिभाषा गढ़ते हुए भारतीय इंजीनियरों ने दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बना दिया।

केन्द्रीय मंत्री श्री मुंडा ने कहा कि अटल सुरंग ने भारतीय सेना की आसान और तेज आवाजाही सुनिश्चित कर भारत की सुरक्षा को बढ़ाया है। जन-धन खातों में 1.90 लाख करोड़ रुपए जमा हुए तो 4.7 करोड़ डुप्लीकेट फर्जी राशन कार्ड और 4.14 करोड़ फर्जी एलपीजी कनेक्शन भी रद्द हुए। आज भारत डिजिटल क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। दुनिया के टोटल डिजिटल पेमेंट का 40 प्रतिशत ट्रांजेक्शन भारत में हो रहा है। हाईस्पीड इंटरनेट से गांवों को जोड़ा गया। कौशल विकास की विभिन्न योजनाओं के जरिए प्रतिभाओं को मुद्रा योजना से स्वनिधि तक सहायता उपलब्ध कराई गई। मेक इन इंडिया से आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार किया गया। श्री मुंडा ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और विशेषज्ञ मानते हैं कि 2047 तक भारत 40 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत 2022 तक 108 यूनिकॉर्न स्टार्टअप के साथ दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला स्टार्टअप ईकोसिस्टम बन रहा है। 315 नए स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्टर और युवाओं के लिए टेक्नॉलॉजी व इनोवेशन के साथ विश्वस्तरीय ज्ञान, रोजगार के बढ़ते अवसर भी केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं।

केन्द्रीय मंत्री श्री मुंडा ने अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण में केन्द्र सरकार की तत्परता का भी जिक्र किया। इसी तरह पूर्वोत्तर में विकास की रोशनी केन्द्र सरकार ने पहुंचाई। राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि मानकर केन्द्र सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन कर सेना को अत्याधुनिक हथियारों से लैस किया। सर्जिकल और एयर स्ट्राइक कर सीमा पार के आतंकवाद की कमर तोड़ी गई। कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाकर एक भारत एक संविधान की अवधारणा पुष्ट की गई। श्री मुंडा ने विश्व मंच पर भारत की धमक की चर्चा भी की। जी-20 समिट ने भारत और प्रधानमंत्री श्री मोदी की नेतृत्व क्षमता पर मुहर लगाई। श्री मुंडा ने कहा कि सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास ही केन्द्र सरकार का मूलमंत्र है। विश्वास ही विकास का आधार है और देश की जनता के विश्वास की कसौटी पर केन्द्र सरकार के नौ वर्षों का कार्यकाल खरा उतरा है।

महिला मोर्चा

छत्तीसगढ़ में विकास भाजपा के शासनकाल में हुआ: अरूण साव

कांग्रेस के कार्यकलाप से दुखी महिलाओं की बदुआओं से भूपेश सरकार ढह जाएगी - शालिनी राजपूत

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक कांकेर में संपन्न हुई। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव ने कार्यसमिति बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ की राजनीतिक परिस्थिति ऐसी बना दी है कि छत्तीसगढ़ में माताओं बहनों का जीना दूभर हो गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरेआम वादाखिलाफी कर रहे हैं। छग की जनता से झूठ बोलने का काम कर रहे हैं। सरकार बनते ही सौ दिनों में शराबबंदी करने का वादा करने वाली कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री, अपने वादे से मुकरते अब यह कह रहे हैं कि जनता पीना बंद करेगी तो शराबबंदी लागू करेंगे। यह सरासर छत्तीसगढ़ की बहनों के साथ धोखा है जिन्होंने शराबबंदी के नाम पर कांग्रेस को वोट किया था। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश की 16 लाख बहनों के सिर से आवास

छीनने का काम भूपेश बघेल ने किया है। पिछले साढ़े 4 वर्षों में ही कांग्रेस के शासन में महिलाओं के साथ अत्याचार में बेतहाशा वृद्धि हुई। इस सरकार में जनता ने एक अपराधी को लड़की की चोटी पकड़ कर घसीटते हुए, अपनी मांग मनवाने के लिए महिलाओं को मुण्डन होते देखा है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश प्रभारी सरला कोसरिया ने कहा कि प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से कमजोर करने का कार्य लगातार प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने किया है। प्रदेश में हर तरफ महिला अपराध की घटनाएं बढ़ी है। महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकलाप से दुखी महिलाओं की बद्दुआओं से भूपेश सरकार ढह जाएगी। उन्होंने कहा की भूपेश बघेल ने प्रदेश की आधी जनसंख्या महिलाओं से धोखा करके अपना पैर कुल्हाड़ी में मार लिया है। हम महिला मोर्चा की बहनों को साथ लेकर एक-एक घर में जाकर महिलाओं को दुख देने वाले भूपेश सरकार के कारनामों के खिलाफ जगायेंगे।

अजजा मोर्चा

पुरखौती सम्मान यात्रा एवं जनसंपर्क अभियान के जरिए भाजपा पहुंचेगी गांव गांव

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रायपुर में संपन्न हुई। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यह बैठक दो सत्रों में संपन्न हुआ। प्रथम सत्र में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री अरुण साव जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने महा जनसंपर्क अभियान और आदिवासी पुरखौती सम्मान यात्रा में जनजाति मोर्चा की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी ने जनसंपर्क अभियान के जरिए गांव- गांव तक भाजपा के केंद्र सरकार के सुशासन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों एवं भूपेश सरकार के नाकामियों को गिनाएगी और छत्तीसगढ़ के प्रत्येक व्यक्ति से जुड़ने का प्रयास करेगी। वहीं पुरखौती सम्मान यात्रा के जरिए अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा आदिवासी महानायको जैसे- शहीद वीर नारायण सिंह जी शहीद गुंडाधुर जी शहीद गेंदसिंह जी सिंह जी जैसे महान बलिदानियो के जन्मस्थली से जिला मुख्यालयों तक की यात्रा की जाएगी, इस यात्रा

के जरिए आदिवासी गौरव के प्रतीक पुरुषों के प्रति सम्मान व्यक्त किया जायेगा। दूसरे सत्र में भाजपा के राष्ट्रीय संगठक व्ही. सतीश उपस्थित रहे। उन्होंने केंद्र में मोदी सरकार के 9 साल पूर्ण होने पर होने वाले राष्ट्रीय कार्यक्रम पर अपना मार्गदर्शन दिया। ●●●

पिछड़ा वर्ग मोर्चा

पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी और जिला अध्यक्षों की बैठक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी और जिला अध्यक्षों की बैठक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित हुई। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कार्यकर्ताओं को चुनावी मुद्दों पर काम करने के लिए रिचार्ज किया और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए 9 साल के कार्यों को प्रदेश की जनता तक पहुंचाने व लाभ दिलाने का कार्य करने को कहा। उन्होंने बैठक के दौरान यह भी कहा कि भाजपा को अन्य दलों के लोग छोटी पार्टी कहते थे, लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जबसे कमान संभाली है और केंद्र में सरकार बनाकर काम किया, इससे देश का नाम विदेशों तक पहुंचा और विदेश के लोग भी आज हमारे देश को लेकर गर्व करते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी गरीबों लिए कार्य कर रहे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि देश में लंबे समय तक कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन कभी भी गरीबों के घर को झांककर नहीं देखा गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के देश की कमान संभालने के बाद गरीबों का घर देखा और उनके हालात को जाना व पहचाना। प्रधानमंत्री ने हर घर शौचालय निर्माण किया और 11 करोड़ शौचालय निर्माण कर जनता को एक बड़ी राहत दी। घर की महिलाएं शौच के लिए बाहर जाती थीं।

भाजपा पिछड़ा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंदूलाल साहू ने कहा कि हम सभी को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रियता से कार्य करना है और केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाकर भाजपा की सरकार बनाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने से गरीबों का भला और कल्याण होगा। छत्तीसगढ़ में 5 साल से कांग्रेस की सरकार है लेकिन उसने कभी भी गरीबों के हित में काम नहीं किया। हमेशा जनता को ठगने व भ्रष्टाचार करने की काम किया है। भाजपा पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भरत वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ओबीसी वर्ग और कम संख्या वाले ओबीसी जातियों को मिलकर उनसे चर्चा करना है तथा उनके छोटे-छोटे कार्यक्रम कर समाज को आगे बढ़ाना है ताकि वह समाज भी बड़े स्तर पर काम करें और उनकी भी अलग पहचान हो। आगामी कार्यक्रम को लेकर भी बैठक में चर्चा की गई, जिसमें जन प्रतिनिधि सम्मेलन, लाभार्थी संपर्क, प्रबुद्ध सम्मेलन सहित अन्य कार्यक्रम हैं जो भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा किए जाएंगे।

चिकित्सा प्रकोष्ठ

छत्तीसगढ़ बचाना है, कांग्रेस सरकार हटाना है

भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रायपुर में संपन्न हुई। प्रदेश कार्यसमिति के उद्घाटन सत्र का शुभारभ दीप प्रज्वलित कर प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय किया। स्वागत पश्चात अपने उद्बोधन में श्री साय ने कहा कि केन्द्र में मोदी जी के नेतृत्व में सरकार के 9 साल पूरे हुए हैं। इन 9 सालों की उपलब्धि को जनता तक पहुंचाने में

चिकित्सा प्रकोष्ठ को अपना सार्थक योगदान देना है। कोविड काल में निष्क्रिय राज्य सरकार की तुलना में केन्द्र की मोदी सरकार ने वैक्शिन, अनाज, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता का कार्य किया । भारतीय जनता पार्टी के विचारों के अनुकुल धारा 370 हटाकर एवं राम मंदिर का निर्माण कर कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करने का काम मोदी जी ने किया।

चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. विमल चोपड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के 36 के आकड़े ने स्वास्थ्य सेवाओं का कबाड़ कर दिया है। डॉ. चोपड़ा ने कहा कि कार्य के माध्यम से हमें कार्यकर्ताओं को जोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करना है। बैठक के समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर संवेदनहीन है। कोरोना काल में केन्द्र सरकार से अनुमति के लिए पत्र कहां भेजा जाए और आर्थिक सहायता के लिए कहां भेजा जाए यहां तक की इस सरकार के अधिकारियों एवं मंत्रियों तक को पता नहीं।

चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी लोकेश कावड़िया ने संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा प्रकोष्ठ के संगठन को मजबूत किया जाए, प्रदेश के चिकित्सकों का एक विशाल सम्मेलन रखा जाए। कार्यक्रम में राजनैतिक प्रस्ताव पारित किया गया प्रस्ताव का पाठन डॉ. राकेश शर्मा (कोरिया) ने किया एवं समर्थन डॉ. दिग्विजय सिंह (बिलासपुर) व डॉ. हरिकृष्ण गंजीर ने किया।

अल्पसंख्यक मोर्चा

प्रदेश सरकार की केवल एक ही नीति है, प्रदेश को लूटना

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में संपन्न हुई। बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरूण साव, प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय, छत्तीसगढ़ प्रभारी मो. सद्दाम, प्रदेश प्रभारी डॉ. सलीम राज, आरिफ खान, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष शकील अहमद ने प्रदेश कार्यसमिति बैठक में आये पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी द्वारा मोर्चा को जो जिम्मेदारी दी है उसे सभी कार्यकर्ताओं ने तन्मतया से पूरा किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर तरफ माफिया, दलाल एवं भ्रष्टाचार सक्रिय है और यही प्रदेश की कांग्रेस एवं सरकार को चला रहे है। यह सबको पता है कि प्रदेश में कांग्रेस के राज में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है चाहे वह कोयले की दलाली हो या फिर शराब में 2000 करोड़ रुपए का घोटाला हो, इस सरकार की केवल एक ही नीति है प्रदेश को लूटना और गांधी परिवार को खुश करना।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय बैठक में मार्गदर्शन देते हुए कहा कि केन्द्रीय योजनाओं के अल्पसंख्यक समुदाय के लाभार्थी परिवार के घर-घर जाकर उन्हें योजनाओं के बारे में बताना है। 30 मई से 30 जून तक जनसंपर्क अभियान में जुड़कर कार्यक्रम करना है। जिसमें लाभार्थियों का सम्मान करना है। बैठक में छत्तीसगढ़ प्रभारी मोहम्मद सद्दाम ने अपने वक्तव्य में कहा कि अल्पसंख्यक मोर्चा को छत्तीसगढ़ में मजबूती से कार्य करना है और हर एक बूथ में जाकर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के बीच केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को बताना है। प्रदेश प्रभारी डॉ. सलीम राज ने कहा कि कार्यसमिति में आये सभी मोर्चा जिलाध्यक्षों, कार्यसमिति सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्यों से विगत दिनों की कार्ययोजनाओं की जानकारी ली और सभी पदाधिकारियों को निष्ठापूर्वक जमीनी स्तर बैठक लेकर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। मोर्चा सह प्रभारी आरिफ खान ने कहा कि अपनी टीम बनाकर चुनाव को लेकर तैयारी करनी है सभी जिलाध्यक्षों को आने वाले 6 महीनों में अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। अल्पसंख्यक समाज में अपनी सहभागिता बनाना है। अल्पसंख्यक समुदायों में पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाना है। ●●●

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने ली प्रेस वार्ता

कांग्रेस के कथित 9 सवालों का भाजपा के 27 सवालों से जवाब

हर सवाल के जवाब में भाजपा के तीन सवाल

भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के यशस्वी 9 वर्ष पूर्ण होने पर कांग्रेस द्वारा उठाए गए 9 सवालों पर कहा है कि भारतीय जनता पार्टी अपनी केन्द्र सरकार की गौरवपूर्ण उपलब्धियों और कार्ययोजनाओं का ब्योरा लेकर महासम्पर्क अभियान के दौरान सीधे जनता के बीच जाएगी और उन्हें केन्द्र सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं व कार्यों से अवगत कराएगी। लेकिन, भ्रष्टाचार में सिर से पैर तक डूबी कांग्रेस के 9 असंबद्ध और झूठे सवालों का भारतीय जनता पार्टी ने 27 सवालों से जवाब दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव ने कांग्रेस के सवालों के जवाब में सिलसिलेवार 27 सवाल करते हुए कहा है कि कांग्रेस के सवालों का सवाल ही जवाब है।

सवाल कांग्रेस का : कथित महंगाई-बेरोजगारी के आसमान छूने पर

1. छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 2 हजार करोड़ रूपये का महंगा शराब घोटाला क्यों किया?
2. छत्तीसगढ़ में चपरासियों के 95 पदों के लिए दो लाख आवेदन जमा हो रहे हैं, तो भूपेश-सरकार के 10 लाख लोगों को रोजगार देने का वादा कहां खो गया? झूठ क्यों बोला?
3. पेट्रोल- डीजल पर वेट कम कर छत्तीसगढ़ की सरकार ने जनता को राहत क्यों नहीं दी?

कृषि कानून संबंधी आरोपों पर

4 छत्तीसगढ़ में करीब एक हजार किसानों ने कांग्रेस शासन में आत्महत्या की है। इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शर्मिंदा क्यों नहीं हैं? क्यों मृत किसानों के परिजनों को मुआवजा नहीं दिया?

5 छत्तीसगढ़ के किसानों/मजदूरों के 10 हजार बच्चों ने पिछले 4 वर्ष में रोजगार आदि नहीं मिलने पर आत्महत्या कर ली। मुख्यमंत्री बघेल ने इसकी जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा क्यों नहीं दिया?

6 आदिवासी/किसानों के 25 हजार से अधिक बच्चे इलाज के अभाव में छत्तीसगढ़ में मर गए। इसके लिए भूपेश बघेल पर मुकदमा चलना चाहए या नहीं?

एलआईसी/एसबीआई के बारे में कांग्रेस के झूठ पर

7 एलआईसी-सीबीआई में जनता का एक भी पैसा नहीं डूबा है। इन संस्थानों की साख को नुकसान पहुंचाने के लिए राहुल गांधी और भूपेश बघेल को सजा होनी चाहिए या नहीं?

8 सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग मामले में केन्द्र सरकार को क्लीन चिट दी है। ऐसे में विदेशी दुष्प्रचार का हिस्सा बन भारत को बदनाम करने की साजिश रचने पर राहुल गांधी, भूपेश बघेल समेत कांग्रेस नेताओं पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए या नहीं?

9 अदाणी मामले में सुप्रीम कोर्ट की क्लीन चिट के बाद,यह तय हो गया है कांग्रेस ने संसद का समय बरबाद किया क्या राहुल गांधी और उन्हें सपोर्ट करने भूपेश बघेल देश से माफी मांगेंगे?

चीन संबंधी सवालों पर

10 चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से एमओयू करने वाले राहुल गांधी भारत के देशद्रोही हैं या नहीं?

11 भारत के साथ युद्ध जैसी स्थिति में चीनी राजदूत से मिलने वाले संदिग्ध राहुल गांधी को युद्ध अपराधी घोषित किया जाए या नहीं?

12 चीन से युद्ध जैसी स्थिति में भारत के सरेंडर हो जाने की घोषणा करने वाले कांग्रेस नेताओं का देशनिकाला होना चाहिए या नहीं?

टुकड़े-टुकड़े गैंग पर

13 आजादी के समय भारत के दो (बाद में तीन) टुकड़े करने वाली कांग्रेस को डूब मरने के लिए और कितना पानी चाहिए?

14 टुकड़े-टुकड़े गैंग के कन्हैया कुमार जैसे अपराधियों को कांग्रेस में शामिल करने की क्या सजा होनी चाहिए?

15 जम्मू कश्मीर में दो विधान-दो निशान बनाने वाली, अनुच्छेद 370 को बहाल करने वाली कांग्रेस की मान्यता रद्द होनी चाहिए या नहीं?

कांग्रेस के सामाजिक अन्याय पर

16 आदवासी-ओबीसी आरक्षण के खिलाफ मुकदमा लड़ने वाले को पुरस्कृत करने के लिए भूपेश बघेल से कैसा सलूक किया जाना चाहिए?

17 ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने के खिलाफ वोट करने वाली कांग्रेस बताए कि संपूर्ण साहू समाज को गाली देने के सजायाफ्ता अपराधी राहुल गांधी ने क्या राजीव मितान सामाजिक न्याय योजना के तहत गाली दी थी?

18 भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को 'अपमानजनक शब्द' कहकर अपमानित करने वाले कांग्रेस नेता के खिलाफ कांग्रेस ने क्या कार्रवाई की?

संवैधानिक संस्थाओं को कथित कमजोर करने संबंधी सवाल

19 सुप्रीम कोर्ट ने सोनिया गांधी के प्रभुत्व वाली मननोहन सिंह सरकार का 'पिंजरे का तोता' कहा था सीबीआई को. इसके लिए क्या सजा मिलनी चाहिए कांग्रेस को?

20 शाहबानों को सुप्रीम कोर्ट से मिला चंद रुपए का निर्वाह भत्ता, उस गरीब मुस्लिम महिला का निवाला छीनने सुप्रीम कोर्ट का फैसला बदल देने वाली कांग्रेस अपने इस कृत्य पर शर्मिंदा है या नहीं?

21 मनमोहन सिंह सरकार के अध्यादेश को सदन के बाहर सरेआम फाड़ देने वाले राहुल गांधी की बदतमीजी की क्या सजा होनी चाहिए?

मनरेगा आदि सवाल पर

22 मनरेगा में भी भ्रष्टाचार करने वाले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सजा क्यों नहीं मिलनी चाहिए?

23 छत्तीसगढ़ के मजदूरों-मेहनतकशों के पैसों को 10 जनपथ भेजने वाली भूपेश बघेल की 'एटीएम सरकार' मजदूरों को उनके हक का पैसा कब वापस करेगी?

24 पंचायतों के विकास के लिए मिले पैसों से घोटाला करने वाले भूपेश बघेल को इसकी सजा कितनी हो?

कोविड संबंधी सवालों पर

25 कोविड काल में सैकड़ों रुपए किलो टमाटर खरीदने वाली भूपेश सरकार और कांग्रेस को झूठे सवाल उठाते शर्म क्यों नहीं आती?

26 कोरोना सेस का 700 करोड़ रुपए भूपेश बघेल राहुल गांधी को दे आए या प्रियंका वाड्रा को?

27 कोरोना वैक्सीन के भारतीय टीकों को बदनाम करने और टीकाकरण में भी जाति आधारित भेदभाव करने वाली भूपेश सरकार अपनी करतूतों के लिए कब शर्म महसूस करेगी? ●●●

उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय चुनाव परिणाम : 2023

भाजपा ने सभी 17 मेयर सीटों पर शानदार जीत हासिल की

भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनावों में जीत हासिल की और मेयर पदों की सभी 17 सीटों और कुल 1420 में से 813 पार्षद सीटों पर जीत हासिल की। भाजपा को नगर पंचायत और नगरपालिका परिषद् के चुनावों में भी जबरदस्त जीत मिली, जिसके परिणाम 13 मई, 2023 को घोषित किए गए थे। इस जीत के साथ भाजपा ने 2017 की तुलना में अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है, जब पार्टी के 14 मेयर, 596 पार्षद सदस्य, 923 नगरपालिका सदस्य और 664 नगर पंचायत सदस्य विजयी हुए थे। समाजवादी पार्टी ने अपने दूसरे स्थान को बरकरार रखा, जबकि बसपा तीसरे स्थान पर रही।

पार्टी के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए उत्तर

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य में 'सुशासन, विकास और भयमुक्त वातावरण' को जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि सभी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने 2017 की तुलना में अधिक सीटें जीती हैं।

इसी तरह भाजपा ने नगरपालिका परिषद् में 1360 वार्ड सदस्यों के साथ 89 अध्यक्षीय सीटें जीती हैं, ऐसे ही नगर पंचायतों में 1403 वार्ड सदस्यों साहित 191 अध्यक्षीय सीटों पर जीत हासिल की। इस जीत के लिए मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने 'भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और पार्टी एवं सरकार के बीच अच्छे समन्वय' को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि लोगों ने 'सुशासन, विकास और सुरक्षा' को जनादेश दिया है, जिस मॉडल को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार द्वारा स्थापित किया गया है।

सरकार की उपलब्धियां

थोक महंगाई दर शून्य से नीचे, खाद्य उत्पादों की कीमतों में कमी

थोक महंगाई में भारी गिरावट आई है। जुलाई, 2020 के बाद ऐसा पहली बार हुआ कि थोक महंगाई दर शून्य से नीचे गिर गई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 15 मई को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार अखिल भारतीय थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) संख्या पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर अप्रैल, 2023 महीने के लिए (अप्रैल, 2022 महीने की तुलना में) -0.92 प्रतिशत (अनंतिम) है जबकि मार्च, 2023 में यह 1.34 प्रतिशत दर्ज की गई थी। अप्रैल, 2023 में मुद्रास्फीति की दर में गिरावट मुख्य रूप से मूलभूत धातुओं, खाद्य उत्पादों, वस्त्रों, गैर खाद्य वस्तुओं, रसायन एवं रसायन उत्पादों खनिज तेलों, रबर और प्लास्टिक उत्पादों तथा कागज एवं कागज उत्पादों की कीमतों में कमी के कारण आई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवनियुक्त कर्मियों को लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र किए वितरित

रोजगार मेला देश भर में 45 स्थानों पर आयोजित किया गया, जहां केंद्र सरकार के विभागों और इस पहल का समर्थन करने वाले राज्य सरकारों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिए भर्तियां की गयीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 मई को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया तथा विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त कर्मियों को लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने सभी नवनियुक्त कर्मियों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने गुजरात जैसे राज्यों में हाल के रोजगार मेलों और असम के आगामी मेले को याद किया। श्री मोदी ने कहा कि केंद्र और भाजपाशासित राज्यों में इन मेलों का आयोजन युवाओं के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले 9 वर्षों में सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को प्राथमिकता दी है और इसे तेज़, पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाया है। भर्ती प्रक्रिया में आने वाली कठिनाइयों को याद करते हुए श्री मोदी ने कहा कि कर्मचारी चयन बोर्ड, नई भर्तियों को शामिल करने में मोटे तौर पर 15-18 महीने का समय लेता था, जबकि आज इसमें केवल 6-8 महीने लगते हैं।

उन्होंने रेखांकित किया कि पहले की कठिन भर्ती प्रक्रिया में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते थे और फिर इन्हें डाक के माध्यम से जमा किया जाता था, लेकिन अब इसे ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिये सरल बनाया गया है, जिसके लिए दस्तावेजों के स्व-सत्यापन का प्रावधान भी पेश किया गया है। श्री मोदी ने यह भी कहा कि समूह 'सी' और समूह 'डी' के लिए साक्षात्कार भी समाप्त कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा फायदा पूरी प्रक्रिया से भाई-भतीजावाद की समाप्ति है। उल्लेखनीय है कि रोजगार मेला देश भर में 45 स्थानों पर आयोजित किया गया, जहां केंद्र सरकार के विभागों और इस पहल का समर्थन करने वाले राज्य सरकारों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिए भर्तियां की गयीं।

'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत 12 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में उपलब्ध नल से जल

पूरे देश भर में 9.06 लाख स्कूलों और 9.39 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों में नल का पानी उपलब्ध कराया गया तथा 'जल जीवन मिशन' के तहत आर्सेनिक/फ्लोराइड संदूषण वाली 22,016 बस्तियों में अब सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है

आजादी के अमृत काल के तहत 'जल जीवन मिशन' (जेजेएम) देश के 12 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में नल के माध्यम से सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने की एक नई उपलब्धि का जश्न मना रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत 12 करोड़ घरों में नल से जल उपलब्ध कराने की उपलब्धि की सराहना की। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत के एक ट्वीट को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि इस शानदार उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई! यह अत्यंत खुशी की बात है कि गांवों और गरीबों तक हर जरूरी सुविधा पहुंचाने के हमारे प्रयासों के सुपरिणाम निरंतर सामने आ रहे हैं।

कर्नाटक के जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करते हैं : भाजपा

कर्नाटक विधानसभा के चुनाव परिणाम 13 मई, 2023 को घोषित किये गये। भाजपा ने अपने 2018 के प्रदर्शन 36 प्रतिशत वोट शेयर को बरकरार रखा, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 4.8 प्रतिशत अतिरिक्त वोट मिले, कांग्रेस को कुल 42.9 प्रतिशत वोट मिले। जद (एस) को इस बार 5 प्रतिशत वोट शेयर का भारी नुकसान हुआ और निर्दलीय उम्मीदवारों को 5.2 प्रतिशत वोट शेयर मिले और दो निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुए। परिणामों की घोषणा के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 135 सीटें हासिल हुई, जबकि भाजपा को 66 सीटें मिलीं और जद (एस) को 19 सीटें मिलीं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, ''भाजपा कर्नाटक की जनता के जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करती है। मैं कर्नाटक भाजपा के कार्यकर्ताओं को उनके प्रयासों और हमारे दृष्टिकोण में विश्वास रखने वाले लोगों को धन्यवाद देता हूं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा लोगों की भलाई के लिए काम करती रहेगी और सक्रिय रूप से एक रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाकर अपनी आवाज बुलंद करेगी।" ●●●

भाजयुमो ने घेरा पीएससी कार्यालय

भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष रवि भगत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के साथ पीएससी कार्यालय का घेराव किया गया। प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने बताया कि जिस दिन से पीएससी का फ़ाइनल परिणाम आया है, तब से उम्मीदवारों में बहुत नाराजगी है। क्योंकि अनेक बड़े अधिकारियों ने अपने परिवार के सदस्यों को इस परिणाम में अधिकारी बनवा दिया गया। पीएससी के चेयरमैन ने अपने पुत्र को भी डेप्यूटी कलेक्टर बनवा दिया। कांग्रेस नेता के बेटी-दामाद, डीआईजी की बेटी ऐसे पूरे मेरिट लिस्ट में पूर्णता भ्रष्टाचार दिखाई दे रहा है। श्री भगत ने बताया कि सालों से अभ्यर्थी लोग इस परीक्षा की तैयारी करते हैं, अपने भविष्य के लिए माता-पिता के सपने के लिए आज उन सब सपनों को भूपेश बघेल सरकार ने चूर कर दिया है। इतनी बड़ी संस्थान जहाँ से लोग राज्य की तरक्की के लिए चुने जाते हैं, उस क्षेत्र को भी बदनाम कर दिया इस भूपेश सरकार ने। कांग्रेस मतलब भ्रष्टाचार ये सिद्ध हो चुका है। कोल, शराब,चावल,गोठान के बाद अब पीएससी घोटाला भी शामिल हो गया है।75-75 लाख में लोगों का भविष्य बेच दिया गया ऐसा जो आज एक बात सामने आ रही है।

2 हजार का नोट बंद होने से कांग्रेस को गहरा धक्का क्यों : बृजमोहन

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक व पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि 2000 रुपए के नोट बंद करने के फैसले के बाद कांग्रेस के बयानों से यह साफ है कि कांग्रेस को बड़ा धक्का लगा है। श्री अग्रवाल ने कहा कि जब-जब भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाती है, कांग्रेस के पेट में दर्द होने लगता है। भाजपा विधायक व पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि 2000 रुपए के नोट जमा कराने के लिए अभी 127 दिनों का पर्याप्त समय है, बावजूद इसके, कांग्रेस नेता व्यर्थ हायतौबा मचा रहे हैं। इससे यह तो स्पष्ट प्रतीत हो रहा है कि भ्रष्टाचार और उसमें संलिप्त लोगों के साथ कांग्रेस खड़ी है। कालेधन के तौर पर बड़ी मात्रा में जमा इन नोटों के चलन से बाहर होने पर कांग्रेस को हो रही तकलीफ जनता को समझ आ रही है। श्री अग्रवाल ने सवाल किया कि भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नक्सलवाद, माफिया राज पर होने वाली कार्रवाई के विरोध में सबसे पहला बयान कांग्रेस का ही क्यों आता है? आखिर यह रिश्ता क्या कहलाता है? श्री अग्रवाल ने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि हजारों करोड़ रुपए के चावल घोटाले, शराब घोटाले, कोयला घोटाले, गौठान घोटाले, रेत घोटाले, भर्ती घोटाले समेत जितने भी घोटाले प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने अपने शासनकाल में किए हैं, उसमें उगाही गई सारी रकम दो हजार रुपए के नोट के रूप में ही जमा है।

रोजगार पर झूठ बोलने में गोयबल्स को भी पीछे छोड़ भूपेश सरकार ने

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा ने एमबीबीएस डॉक्टरों तक के द्वारा बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन करने के सामने आए मामले को लेकर प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा है। श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी की जो स्थिति आज है, उसकी कोई और मिसाल देश में देखने को नहीं मिल सकती। बेरोजगारी को लेकर इतने झूठ प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने बोले हैं कि उसके सामने गोएबल्स भी शरमा जाए।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में शत-प्रतिशत रोजगार का दावा करने वाली प्रदेश सरकार को इस बात पर शर्म से गड़ जाना चाहिए कि एक डॉक्टर भी छत्तीसगढ़ में 2,500 रुपए के बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन करने विवश हैं। छत्तीसगढ़ में इतने शर्मनाक हालात इस बात की साक्षी दे रहे हैं कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की क्या हालत कर दी है! श्री शर्मा ने कहा कि एक तरफ इलाज के अभाव में हजारों बच्चे मर रहे हैं, और दूसरी तरफ डॉक्टर तक को यह प्रदेश सरकार नौकरी नहीं दे पा रही है। यह स्थिति तब है, जब प्रदेश के अस्पताल डॉक्टर्स की कमी से जूझ रहे हैं। यही बदहाली इंजीनियर्स समेत अन्य पेशेवरों की भी है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार कदम-कदम पर बेरोजगारों के साथ छल कर रही है। हाल ही लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित चयन सूची से यह स्पष्ट है कि प्रदेश सरकार, उसकी प्रशासनिक मशीनरी और लोक सेवा आयोग ने छत्तीसगढ़ के बेरोजगार युवकों से खुली धोखाधड़ी की है।

शराब से तीन युवकों की मौत के लिए सीधे भूपेश जिम्मेदारः चंदेल

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ के ग्राम रोगदा में शराब पीने से 3 युवकों की मौत के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि प्रदेश में अवैध शराब गांव गांव में मौत का पैगाम लेकर जा रही है। गरीब परिवार उजड़ रहे हैं। भूपेश बघेल सरकार अवैध शराब सेवन से असमय मृत्यु के शिकार हुए तीनों युवाओं के परिवार को 50-50 लाख का मुआवजा दे और तत्काल शराबबंदी लागू करे।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने शराब सेवन से तीन युवाओं की मौत को दुखद और बड़ी घटना बताते हुए दुखी परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शराबबंदी की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। अवैध नकली शराब का विक्रय हो रहा है। दो हजार करोड़ का शराब घोटाला पकड़ा गया है। सरकार इसकी जिम्मेदार है। किसी जांच की जरूरत नहीं है। प्रमाण सामने है। खुद मुख्यमंत्री कबूल कर रहे हैं कि वे शराब बंदी की हिम्मत नहीं कर सके। यह हिम्मत इसलिए नहीं हो रही कि छत्तीसगढ़ की जनता को लूटकर, उसकी जान से खिलवाड़ कर अवैध कमाई करना इनका मकसद है। तीन युवकों की मौत बहुत गंभीर मामला है। सीधी कार्रवाई की जाए। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि अवैध कमाई की खातिर कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ की जनता को जहरीली अवैध शराब पिला रही है। इसलिए यह सरकार ही इन मौतों के लिए दोषी है। उन्होंने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में कोई घटना होती है तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने आकाओं को खुश करने 50-50 लाख का मुआवजा बांट आते हैं।

महिला मोर्चा ने पूरे छत्तीसगढ़ में किया मुख्यमंत्री का पुतला दहन

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ महिला मोर्चा ने कांग्रेस सरकार में 2 हजार करोड़ के शराब घोटाले के विरोध में पूरे प्रदेश में संभाग मुख्यालयों में मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय दुर्ग संभाग में, रायपुर संभाग प्रभारी सौरभ सिंह ने रायपुर ग्रामीण में व बस्तर संभाग में महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने मुख्यमंत्री के विरुद्ध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। विधानसभा के पास रायपुर ग्रामीण जिला के प्रदर्शन में शामिल रायपुर संभाग प्रभारी विधायक सौरभ सिंह ने कहा कि जब तक ईडी की छापेमारी नहीं हुई थी तब तक शराब बिक्री की बड़ी रकम इस रैकेट के पास जा रही थी। जब से ईडी भ्रष्टाचार की जांच कर रही है तब से आबकारी राजस्व में आश्चर्यजनक रूप से आय बढ़ गई। साफ है कि जो पैसा गलत हाथों में जा रहा था, वह ईडी के डर से सरकारी खजाने में जाने लगा। लेकिन 4 साल में भूपेश बघेल सरकार में 2 हजार करोड़ का शराब घोटाला किया गया। दुर्ग में राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाओं से शराब बंदी का वादा करके सत्ता में आई कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने सत्ता में आने के बाद शराबबंदी से मुकर गई है।

संपर्क अभियान में हुआ अरुण साव का स्वागत, प्रधानमंत्री के 9 वर्ष के स्वर्णिम कार्यकाल की हुई चर्चा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के 9 वर्षों का कार्यकाल बेमिसाल उपलब्धियों वाला रहा है। श्री साव मोदी सरकार के स्वर्णिम 9 वर्ष पूर्ण होने पर पार्टी द्वारा आहूत विशेष महासम्पर्क अभियान के तहत शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक के वरिष्ठ स्वयंसेवक मोहनलाल मोयल, डॉ. रोहित मिश्रा, आशीष साहू और शहीद मेजर सत्यप्रदीप दत्ता के परिजनों से भेंटकर भाजपा की केन्द्र सरकार के विकास कार्यों से अवगत कराया।इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वैश्विक मंच भारत को उस ऊँचाई पर पहुंचा दिया है कि दुनिया अब भारत का नेतृत्व चाह रही है।

आदिवासी इलाके के 25000 बच्चों के मौत की जिम्मेदार कांग्रेस सरकारः कश्यप

भाजपा के प्रदेश प्रभारी श्री ओम माथुर के बस्तर दौरे पर दिए गए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के बयान पर तीखा पलटवार करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस के कुशासन में 25,000 से अधिक बच्चों की मौत इलाज के अभाव में हो गई, जिसमें ज्यादातर बच्चे आदिवासी थे। यह सीधे तौर पर हत्या जैसा है जिसकी पूरी जिम्मेदारी कांग्रेस सरकार की है। श्री कश्यप ने पूछा कि इन हत्याओं की जिम्मेवारी लेते हुए कांग्रेस कब माफी मांगेगी? उन्होंने कहा कि ऐसे सभी परिवारों को मुआवजा देते हुए हाथ जोड़ कर कांग्रेस को अपनी विफलता के लिए माफी मांगनी चाहिए।

श्री केदार कश्यप ने कहा आज कांग्रेस के शासन में आदिवासी अंचल के इलाकों में जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रही है। इलाज के अभाव में छोटी-छोटी बीमारियों से लोगों की जान जा रही है। श्री कश्यप ने कहा कांग्रेस की सरकार ने आदिवासियों का आवास छीना, घरों में नल नहीं लगने दिए, भाजपा सरकार द्वारा आदिवासियों के लिए चलाई जा रही सारी योजनाएं बंद कर दी गई, तेंदूपत्ता संग्राहक बिना चप्पल पैदल चलकर अपना तेंदूपत्ता महाराष्ट्र ले जाकर बेचने को मजबूर हैं कांग्रेस की सरकार ने उनका रोजगार भी छीन लिया है।

आवास, रोजगार, संस्कृति, स्वास्थ्य का अधिकार, कांग्रेस ने आदिवासियों से सब कुछ छीन लिया हैः केदार कश्यप

श्री कश्यप ने कहा कांग्रेस सरकार ने आदिवासियों से सिर्फ छीनने का काम किया है सब कुछ छीनने के बाद उनके पास केवल उनकी संस्कृति ही बची थी कांग्रेस उसे भी छीन रही है आदिवासियों का अवैध धर्मांतरण हो रहा है और जो लोग अपनी संस्कृति को बचाने के लिए अवैध धर्मांतरण का विरोध कर रहे हैं उन्हें कांग्रेस की तुगलकी सरकार जेल में ठूंस रही है आदिवासी समाज अपने साथ हो रहे प्रत्येक अन्याय का जवाब कांग्रेस को देने के लिए तत्पर है।

एसडीओपी एवं सहयोगी पुलिसकर्मियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर एस्ट्रोसिटी एक्ट के तहत कार्यवाही होः गोमती साय

लोकसभा सांसद श्रीमती गोमती साय ने कहा कि आदिवासी संत स्व. गहिरा गुरु के पुत्र, भाजपा समर्थित जिला पंचायत सदस्य, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता, हिन्दू आदिवासी नेता श्री गेंदबिहारी सिंह के साथ बगीचा एसडीओपी शेर बहादुर सिंह ठाकुर, आरक्षक राजकुमार मनहर, आरक्षक संतोष उपाध्याय द्वारा पूर्वाग्रह से ग्रसित हो कर, यह कहते हुए की तुम बहुत नेतागिरी करते हो, दुर्गापारा से मारपीट कर पुलिस वालों के साथ बल प्रयोग कर थाना ले आया। जो कि बहुत ही निंदनीय एवं आपत्तिजनक घटना है जिससे मैं व्यथित हूँ। कांग्रेस इस हद तक अपने पुलिस को छूट दे रखी है कि वे किसी भी जनप्रतिनिधि के साथ इस प्रकार का दुर्व्यवहार करें। खासकर हिन्दू नेता एवं भाजपा कार्यकर्ताओं पर इस प्रकार का प्रहार कर रही है। श्रीमती साय ने कहा कि मैं, बगीचा एसडीओपी शेर बहादुर सिंह ठाकुर, आरक्षक राजकुमार मनहर, आरक्षक संतोष उपाध्याय के खिलाफ अपराध दर्ज कर एस्ट्रोसिटी एक्ट के तहत कार्यवाही की मांग करती हूँ। सरकार और पुलिस प्रशासन अपराध दर्ज कर कार्यवाही नही करती है। तो सड़क पर उतर कर आंदोलन करेंगे।

रावघाट रेल परियोजना की स्वीकृति छत्तीसगढ़ के विकास की गाथा लिखेगा

भाजपा बस्तर संभाग प्रभारी एवं सांसद संतोष पांडेय ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि रावघाट परियोजना पर कार्य जल्द ही शुरू होगा। इसके लिए केंद्रीय रेल मंत्रालय ने आश्वस्त किया है।

श्री पांडेय ने कहा कि कनेक्टिविटी से ही सब प्रकार का विकास संभव है। इसलिए बस्तर में जो रुके हुए काम हैं, वह पूर्ण हों, इस दिशा में भाजपा ने रेलमंत्री को अवगत कराया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस विषय को गंभीरता से लिया।

सांसद संतोष पांडेय ने बताया कि भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर जी के मार्गदर्शन में प्रदेश के महामंत्री केदार कश्यप और मेरी संभाग के प्रभारी होने के नाते रेल मंत्री के साथ भेंट में लंबी चर्चा हुई। रेल मंत्री ने वहां की संभावनाओं को देखते हुए रावघाट रेल परियोजना को पूरा करने के लिए आश्वासन ही नहीं, बल्कि सीधा-सीधा आदेश दिया। मुझे बताते हुए बड़ी खुशी हो रही है रावघाट परियोजना के शेष 140 किलोमीटर कार्य की जल्द ही शुरुआत होगी। अब दोनों तरफ से काम चालू होगा, जगदलपुर से भी चालू होगा रावघाट से भी चालू होगा। और, उसके डीपीआर में (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) हर प्रकार की जानकारी है कि लाइन में कितने ब्रिज होंगे, स्टेशन कितने होंगे, सुविधाएं क्या-क्या होगी, उसके लिए खर्च किस प्रकार से होंगे। इसकी पूरी जानकारी जुलाई में तैयार हो जाएगी और उसके बाद तुरंत काम होगा।

श्री पांडेय ने कहा कि यह सभी बस्तर वासियों के लिए बहुत ही लाभदायक होगा। कनेक्टिविटी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है और अर्थव्यवस्था में रेलवे की बहुत बड़ी भूमिका होती है।

मजदूरों के पैसों को भी लुट रही है कांग्रेस सरकार : मोहन एंटी

भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कर्मकार कल्याण मंडल के पूर्व अध्यक्ष मोहन एंटी ने कहा कि प्रदेश की भूपेश सरकार मजदूर विरोधी सरकार है जिसने प्रदेश के पूर्व में पंजीकृत 18 लाख मजदूरों में करीब 9 लाख पात्र मजदूरों को सरकार की समाजिक सुरक्षा योजनाओं से अपात्र घोषित कर लाभ से वंचित कर दिया है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने 9 लाख गरीब मजदूरों के अधिकारों को छीना है, साथ ही पिछले 5 वर्षों में करीब 35 लाख मजदूरों ने श्रम कार्ड बनाने हेतु आवेदन किया था जिसमें मात्र 9 लाख 30 हजार मजदूरों का ही मजदूर कार्ड बनाया गया। भारी संख्या में आज भी प्रदेश का मजदूर, मजदूर कार्ड बनाने के लिए भटक रहे है।

श्रम विभाग के विभिन्न कल्याण मंडलों में करीब 1 हजार करोड़ रुपए राशि का बजट है, लेकिन छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मात्र 25 प्रतिशत राशि मजदूरों के विभिन्न समाजिक सुरक्षा योजनाओं में प्रदान की जा रही है। कर्मकार कल्याण मंडल में वर्तमान में 7 सौ करोड़ रुपए सेस (फंड) के रूप में जमा है जिसमें मात्र 22.76 करोड़ रुपए ही मजदूरों के समाजिक सुरक्षा योजनाओं में खर्च किया गया है और शेष राशि मजदूरों की समाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ न देकर पूरे प्रदेश में विज्ञापन/प्रचार में करोड़ों रुपए की राशि खर्च की जा रही है जो कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देश एवं सिफारिशों के विरूध्द है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार मजदूरों को समाजिक सुरक्षा का लाभ डीबीटी के माध्यम से नहीं दे रही है जबकि पूर्व की भाजपा सरकार डीबीटी के माध्यम से योजनाओं का लाभ मजदूरों को प्रदान करती थी।

शराबबंदी पर वादाखिलाफी के विरोध में जुटी रिकॉर्ड भीड़...

धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मांढर में राज्य सरकार की शराबबंदी पर वादाखिलाफी के विरोध में भाजपा द्वारा सभा का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने इकठ्ठा होकर शराबबंदी पर वादाखिलाफी के विरोध में निंदा प्रस्ताव पारित किया। इस सम्मेलन में भारी संख्या में महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर इस आयोजन का पूर्ण समर्थन किया।

इस सम्मेलन में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह, संगठन महामंत्री पवन साय, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत के साथ ही भाजपा के विभिन्न मोर्चा संगठनों के कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि शराबबंदी का झूठा वादा करके सत्ता में आई कांग्रेस सरकार के शासन में 40 प्रतिशत शराब नकली बिक रहा है, इससे लोगों कई बीमारियां हो रही हैं, पूरे राज्य में स्थिति खराब है। भाजपा नेताओं ने दोहराया कि भाजपा आने वाले दिनों में शराबबंदी की दिशा में बड़ा कदम उठाएगी।

गृह विभाग के संसदीय सचिव के भाई तक सुरक्षित नहीं, सीएम की शह पर पुलिस का गुंडाराज : संजय श्रीवास्तव

भाजपा के सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने जशपुर जिले में भाजपा समर्थित जिला पंचायत सदस्य व संत समाज से जुड़े गेंदलाल सिंह पर पुलिस बर्बरता के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि वे अपने निहित स्वार्थ वश समूचे प्रदेश को आतंक और अराजकता की आग में झोंक देना चाहते हैं। एक चुने हुए जन प्रतिनिधि के विरुद्ध ऐसा असभ्य आचरण करना, केवल इसलिए उन्हें सरेआम पिटवाना क्योंकि वे भाजपा के समर्थक और संत परिवार से हैं, भूपेशबघेल की हिंदू द्रोही, तानाशाह मानसिकता का द्योतक है। संजय श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री न केवल विरोधी दल के नेताओं को बल्कि अपनी पार्टी के अन्य गुट के नेताओं को भी आतंकित करके रखना चाहते हैं। जिस प्रदेश में गृह विभाग के संसदीय सचिव अर्थात् राज्य मंत्री के सगे भाई hm तक सुरक्षित नहीं हैं, जिस गृह विभाग पर कानून व्यवस्था का दायित्व है, उसके राज्य मंत्री के ओहदेदार का परिवार अगर पुलिस अधिकारियों के हाथों इस तरह सरेआम पीटा जा रहा है तो प्रदेश की आम जनता के खौफ के बारे में कल्पना की जा सकती है।

'द केरल स्टोरी' आतंक के नए, जहरीले रूप को उजागर करती है: नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 08 मई, 2023 को बेंगलुरु में 'केरल स्टोरी' फिल्म देखने के बाद कहा कि 'द केरल स्टोरी' आतंकवाद के एक नए, जहरीले रूपको उजागर करती है जिसमें बम और गोला-बारूद का उपयोग नहीं किया जाता है।

स्क्रीनिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हमने गोलियों, धमाकों और स्वचालित हथियारों की आवाज सुनी है। लेकिन यह आतंकवाद का एक खतरनाक रूप है जिसमें बंदूकें, बम और गोला बारूद सुनाई नहीं देते हैं। 'द केरल स्टोरी' आतंकवाद के इस जहरीले रूप का पर्दाफाश करती है। उन्होंने कहा कि यह एक फिल्म हो सकती है, लेकिन यह आतंकवाद के बारे में बहुत कुछ बताती है। हमारे युवा को पूर्व नियोजित तरीके से आतंक में शामिल होने के लिए ललचाया जा रहा हैं। उन्हें उस रास्ते पर धकेल दिया जाता है और जहां से वापसी का

कोई रास्ता नहीं होता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से केरल उच्च न्यायालय के इनकार का भी जिक्र किया। अदालत ने कहा था कि उसे फिल्म के ट्रेलर में "किसी विशेष समुदाय के लिए कुछ भी आपत्तिजनक" नहीं लगा। "केरल उच्च न्यायालय ने इस मामले पर गंभीर टिप्पणी की थी। एक पूर्व मुख्यमंत्री ने भी इसकी गंभीरता को रेखांकित किया है।

श्री नड्डा ने फिल्म को 'आंखें खोलने वाला' बताते हुए कहा कि यह जागरूकता फैलाती है ताकि हम एक बेहतर समाज की ओर बढ़ सकें।

श्रद्धांजलि

भाजपा साहित्य एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक और कमल संदेश संपादक मंडल के सदस्य रहे श्री अंबा चरण वशिष्ठ का 26 अप्रैल, 2023 को चंडीगढ़ में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। श्री वशिष्ठ मूल रूप से शिमला, हिमाचल प्रदेश

के रहने वाले थे और उनके परिवार में उनके बेटे और बेटी हैं। वह एक सरल, सज्जन और आध्यात्मिक व्यक्ति थे और विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए थे। उनका अंतिम संस्कार 27 अप्रैल, 2023 को चंडीगढ़ में किया गया। श्री वशिष्ठ, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से अपनी मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद अपनी सरकारी नौकरी के दौरान चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में सेवारत रहे। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने लेखन को एक जुनून के रूप में अपनाया और सेवानिवृत्ति के बाद इसे और दृढ़ता से अपनाया। वह विभिन्न अंग्रेजी और हिंदी राष्ट्रीय समाचार पत्र और पत्रिकाओं में एक स्वतंत्र स्तंभकार एवं राजनीतिक टिप्पणीकार थे।

कांग्रेस राज में आदिवासी महिलायें खाली पांव महाराष्ट्र जाकर बेच रही तेंदुपत्ता

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व वन मंत्री महेश गागड़ा ने तेंदूपत्ता संग्राहकों की दुर्दशा के लिए प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर जमकर निशाना साधा है। श्री गागड़ा ने बिना चप्पल तपती धूप में पत्ता बेचने जा रहीं महिलाओं से ग्राम रामपुर के पास चर्चा करने के बाद कहा कि भाजपा द्वारा तेंदूपत्ता खरीदी जारी रखने की लगातार मांग करने के बावजूद प्रदेश सरकार ने तेंदूपत्ता खरीदी बंद कर दी है और तेंदूपत्ता संग्राहक महाराष्ट्र ले जाकर पत्ता बेचने के लिए विवश हो रहे हैं।

पूर्व वन मंत्री श्री गागड़ा ने बस्तर संभाग में बीजापुर जिले के ग्राम देपला की उन महिलाओं से चर्चा की जो प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा तेंदूपत्ता खरीदी नहीं किए जाने के कारण बिना चप्पल-जूते के तपती धूप में तेंदूपत्ता बेचने महाराष्ट्र की ओर जा रही थीं। श्री गागड़ा ने कहा कि प्रदेश सरकार की कुनीतियों ने प्रदेश के लोगों, गरीबों और आदिवासियों के प्रति जिस निर्ममता का दृश्य उपस्थित किया है, उसकी कोई और मिसाल शायद ही देखने को मिले। प्रदेश की कांग्रेस सरकार आदिवासियों और गरीबों के नाम पर सियासत करके शेखियां तो खूब बघारती है, लेकिन आदिवासी अंचल में तेंदूपत्ता संग्राहकों के प्रति उसने संवेदनहीनता की सारी हदें पार कर दी है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के पारिश्रमिक और बोनस भुगतान का मसला हो, यह स्पष्ट हो चला है कि प्रदेश सरकार में न गरीबों के प्रति और न ही आदिवासियों के प्रति कोई संवेदना रह गई है। ●●●

निवेदन

दीप कमल से संबंधित कोई भी सुझाव या शिकायत हो तो आप नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं या WhatsApp कर सकते हैं। फोन से भी जानकारी दे सकते हैं। ईमेल भी कर सकते हैं। इसके अलावा आपके क्षेत्र में संगठन से संबंधित कोई गतिविधि या पत्रिका में प्रकाशन योग्य कोई समाचार हो, तो उसे भी निम्नलिखित माध्यमों से भेजने का आग्रह है।

कार्यकारी संपादक, दीप कमल, प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर
डूमरतराई, रायपुर। (छग), फोन : 0771-2233500, WhatsApp : 9425507006, Email : jay7feb@gmail.com

प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री ओपी माथुर के बस्तर प्रवास से कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा।

RNI No.CHHHIN/2004/13926